

पूरब टाइम्स

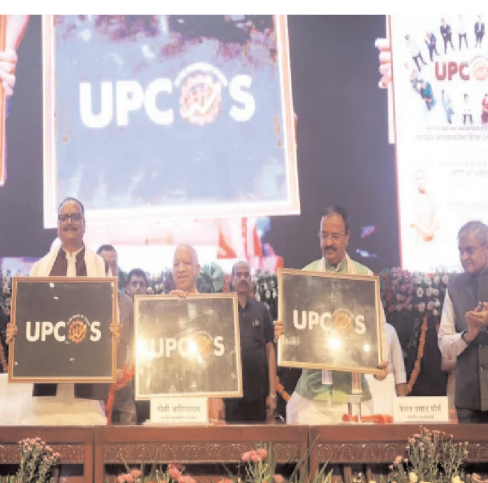
जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 59 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यूपीसीओएस पोर्टल किया लॉन्च

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2 सितंबर को ‘उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सर्विसेज़ कॉर्पोरेशन’ (UPCOS) पोर्टल और वेबसाइट लॉन्च की। यह राज्य-स्तरीय, गैर-लाभकारी संगठन है जिसे आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों के अधिकारों को विनियमित करने और उनकी सुरक्षा के लिए बनाया गया है। योगी आदित्यनाथ ने UPCOS लॉन्च करते हुए कहा कि सिस्टम में बिचौलियों की कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने दावा किया कि इससे राज्य के 3.5 लाख आउटसोर्स कर्मचारियों और उनके परिवारों को फ़ायदा होगा और उनके हितों की रक्षा होगी। मुख्यमंत्री ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य के साथ UPCOS पोर्टल और वेबसाइट लॉन्च की और इसका लोगो भी जारी किया।

राज्य कैबिनेट ने पिछले साल सितंबर में आउटसोर्सिंग सिस्टम को "व्यवस्थित" करने के लिए इस कॉर्पोरेशन के गठन को मंजूरी दी थी। आदित्यनाथ ने कहा कि इस कॉर्पोरेशन से आउटसोर्स कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों समेत 17-20 लाख लोगों को फ़ायदा होगा। UPCOS का मकसद पारदर्शी



तरीके से भर्ती करना, समय पर सीधे सैलरी का भुगतान सुनिश्चित करना और एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड (EPF) व एम्प्लॉइज स्टेट इश्योरेंस (ESI) जैसे सोशल सिक्योरिटी बेंचिफ़िट्स देना है। योगी ने बताया कि अब से सरकारी विभाग, आउटसोर्सिंग एजेंसियां और कर्मचारी एक पारदर्शी और

ट्रेन्सोलॉजी-आधारित सिस्टम से जुड़ेंगे, जिससे मैनपावर की जरूरत का आकलन किया जा सकेगा और उसी के अनुसार ह्यूमन रिसोर्स प्लानिंग की जा सकेगी।

क्या होगा फ़ायदा

मुख्यमंत्री के मुताबिक भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन और पारदर्शी होगी, जो योग्यता और मॉरिट पर आधारित होगी और राज्य सरकार की आरक्षण नीतियों के अनुसार होगी। भर्ती, पोस्टिंग, हाजिरी, वेतन, प्रेयुटी, इश्योरेंस और सर्विस से जुड़े फ़ायदों की डिजिटल निगरानी भी की जाएगी। अब कर्मचारी अपनी सर्विस से जुड़ी जानकारी, अकाउंट, हाजिरी, पेमेंट और कटौती वगैरह एक ही जगह पर देख सकेंगे। वे पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज करा सकेंगे और उसका समय पर समाधान पा सकेंगे। हर कर्मचारी के लिए उनकी कैटेगरी और शैक्षणिक योग्यता के हिसाब से वेतन भी सुनिश्चित किया जाएगा। सरकार ESI अस्पतालों में मुफ़्त इलाज के लिए ESI योगदान देगी। अगर वहाँ इलाज की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी, तो उसे आयुष्मान भारत से जोड़ा जाएगा। इससे आउटसोर्स किए गए कर्मचारियों और उनके परिवारों को 5 लाख रुपये का हेल्थ इश्योरेंस कवर भी मिलेगा। मैटरनिटी लीव समेत सर्विस से जुड़े सभी जरूरी फ़ायदे भी सुनिश्चित किए जाएँगे।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज कर दी

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को हिंदुत्व समर्थक ‘इन्फ़्लुएंसर’ स्वतंत्र भारद्वाज की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान एक नाबालिग छात्रा के पिता पर कथित हमले के मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति नवीन वावला और न्यायमूर्ति रवींद्र बुड्डेजा की पीठ ने कहा कि भारद्वाज को सुनवाई अदालत के न्यायिक आदेश के तहत हिरासत में भेजा गया है और वह संबंधित अदालत के समक्ष अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दे सकता है। भारद्वाज के वकील ने दलील दी कि एक दिन की हिरासत भी गैर-कानूनी है क्योंकि कानून की नजर में प्राथमिकी का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

उन्होंने दलील दी कि यह उन प्राथमिकी में से एक है, जो कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन से संबंधित थीं और जिन्हें उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। हालांकि, दिल्ली पुलिस के वकील ने कहा कि भारद्वाज को शनिवार को वीडियो कॉन्फ़्रेंस के जरिए सत्र न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया था और उसे एक दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। रविवार को भारद्वाज को ऑनलाइन माध्यम से एक ड्यूटी मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया था और एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सोमवार को उसे फ़िर से विशेष न्यायाधीश के समक्ष वीडियो कॉन्फ़्रेंस के जरिए पेश किया गया जहां से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के वकील ने दलील दी,



“‘वह न्यायिक आदेश के तहत हिरासत में है, ऐसे में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका या अवैध हिरासत का सवाल कहाँ उठता है। जब कोई कानूनी आदेश मौजूद है तो उसे संबंधित अदालत के समक्ष चुनौती दी जा सकती है।” शिकायतकर्ता के वकील ने अदालत को बताया कि प्राथमिकी में भारद्वाज के खिलाफ़ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधान भी जोड़े गए हैं। अदालत ने कहा कि भारद्वाज के वकील ने दलील दी है कि प्राथमिकी को उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया है, लेकिन याचिका में इस आधार का जिक्र नहीं किया गया। ’ पीठ ने यह भी कहा कि “‘हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में इस तरह का अनुरोध कैसे किया जा रहा है।” भारद्वाज के पिता रणधीर कुमार झा की ओर से दायर याचिका का सोमवार सुबह तत्काल सुनवाई के लिए मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ के समक्ष उल्लेख किया गया।

राहुल गांधी ने दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे पर दिल्ली सरकार पर जवाबदेही से बचने का लगाया आरोप

दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को दिल्ली के सत्य निकेतन में एक PG बिल्डिंग के गिरने को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सरकार पर बचाव के उपाय न करने और जवाबदेही तय न करने का आरोप लगाया।

X पर एक पोस्ट में, गांधी ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार का एक पेटर्न है: हादसों से पहले कोई बचाव का कदम नहीं उठाना और फ़िर त्रासदियों के बाद दिखावा करना। साथ ही, वे निचले स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराते हैं और जिन्हें उन्होंने असली दोषी कहा, उन्हें जवाबदेही से बचने देते हैं।

गांधी ने कहा कि सत्य निकेतन में इमारत का गिरना कोई अकेली



घटना नहीं थी और उन्होंने दिल्ली में हाल की अन्य घटनाओं का जिक्र किया, जिनमें सैदुलजाब में मोतें और हौज़ रानी में आग लगने की घटना शामिल है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री पर यह आरोप भी लगाया कि वे सरकार से सवाल पूछने वालों को "दिमागी नवसल" और "नाराज़ फ़ूझ" जैसे शब्द कहकर शर्मिंदा करने और चुप कराने की कोशिश करते हैं। उन्होंने जवाबदेही की

कथित कमी को राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से जोड़ा। गांधी ने जन सुरक्षा के मामले में बीजेपी सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए कहा कि और जब आप जवाबदेही मांगते हैं, तो प्रधानमंत्री खुद आप पर ‘ब्रेनवॉश किए गए नवसली’ या ‘नाराज़ फ़ूझ जैसे अपमानजनक लेबल लगाते हैं—इसका मकसद सवाल पूछने की हिम्मत करने वाले किसी भी व्यक्ति को शर्मिंदा करना, बदनाम करना और चुप कराना होता है।

12 सालों से यह सरकार आपको दुनिया भर की बड़ी-बड़ी बातें सुनाकर गुमराह करती रही है, लेकिन कभी भी असली मुद्दों पर बात नहीं की। दिल्ली में ‘ट्रिपल इंजन’ सरकार है, तो अब इस बेबसी का क्या बहाना है?

पश्चिम बंगाल कैबिनेट ने राज्य के विभिन्न संवर्गों और सविदा कर्मियों के मानदेय में वृद्धि करने का लिया निर्णय

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार ने कई तरह के कर्मचारियों और अनुबंध पर काम करने वाले कर्मियों का वेतन बढ़ाने का फैसला किया है, जिससे लगभग एक लाख लोगों को फ़ायदा होगा। मुख्यमंत्री ने यहां मंत्रिमंडल की बैठक की अध्यक्षता करने के बाद मीडिया से बात करते हुए यह भी कहा कि शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मियों के एक विश्वविद्यालय से दूसरे विश्वविद्यालय में स्थानांतरण को आसान बनाने के प्रावधान वाला एक विधेयक 10 सितंबर को विधानसभा के एक दिवसीय विशेष सत्र में पेश किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, “‘कर्मचारियों के 14 समूहों को पारिश्रमिक में बढ़ोतरी का फ़ायदा मिलेगा, जिन्हें 2026-27 के राज्य बजट में शामिल नहीं किया गया था।’ उन्होंने कहा, “‘इस काम के लिए राज्य पर हर साल ३90 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च आएगा और इससे एक लाख से अधिक लोगों को फ़ायदा होगा।’” मुख्यमंत्री ने कहा



कि एक अक्टूबर से ‘डिप्टी रेंजर’ से लेकर वन रक्षक तक, वन अधिकारियों के वेतन में 5,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि लगभग 1,500 वन स्वयंसेवियों के मानदेय में भी प्रति माह 2,000 रुपये की बढ़ोतरी की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि एक अगस्त से पूर्व विधायकों के चिकित्सा भत्ते को भी 6,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा के जिन विधायकों ने अपने चुनाव क्षेत्रों में नेताजी सेवा केंद्र शुरू किए हैं, उन्हें इन्हें संचालित करने के लिए हर महीने 30,000 रुपये मिलेंगे।

जीवन मंत्र

सही निर्णय लेने के लिये अंतरात्मा की आवाज़ सुनो

मेरे पास मेरे एक परिचित व उनका बेटा आया. बेटे ने बेहतरीन कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी पर वह एक रेस्टॉरेंट खोलना चाहता था. उसके उद्योगपति पिता उसे नई फैवटी खोलने बोलते थे . हम एक



सयाने व्यक्ति के पास इस समस्या का समाधान पूछने गये . उन्होंने कहा कि सबसे पहले तुम लोग अपनी अंतर्रात्मा की आवाज़ सुनो और उसके अनुसार कार्य प्रारंभ करो. अन्दर की आवाज़ सुनकर कार्य करने पर आपको दोगुनी आंतरिक शक्ति व दक्षता प्राप्त होती है . जबकि अंदर की आवाज़ के विपरीत कार्य करने पर आपकी शक्ति का एक हिस्सा उस आवाज़ को दबाने में चला जाता है और दोहरी मेहनत करनी पड़ती है . इसके अलावा मन के किसी कोने में बेचैनी भी बनी रहती है . कितना अद्भुत सत्य बताया उन्होंने . एक राजा के दो पुत्र थे , दोनो समान रूप से साहसी , वीर ,दयालु व बुद्धिमान थे . राजा ने युवराज चुनने के लिये उन दोनों के सामने एक कठिन परीक्षा रखी . जंगली जानवरों से भरे जंगल को पार कर जो पहले नियत स्थान पर पहुंच जायेगा वह विजेता होगा. दोनों राजकुमार वीरता से जंगली जानवरों का मुकाबला करते हुए आगे बढ़ते गये. मुकाबला कठिन था . तभी उन्हें एक बीमार,मरणासन्न बुढ़िया दिखी. दोनों भाई उसके पास रुके और उसे पानी पिलाया और पेड़ की छांव में लिटाया. पहला भाई बोला, अब चलो आगे बढ़ते हैं . बाद में आकर उस बूढ़ी की व्यवस्था कर देंगे . दूसरा भाई बोला, जब तक किसी दूसरे आदमी की व्यवस्था नहीं हो जाती इन्हें इस हाल में जंगली जानवरों के बीच छोड़कर जाना जोखिम का काम होगा. मेरी अंतर्रात्मा मुझे धिक्कारेगी. पहले ने कहा कि वह अपनी अंतर्रात्मा को दबाकर पहले प्रतियोगिता जीतना चाहता है. इतन झाड़ी के पीछे से वृद्ध राजा व उनके मंत्री निकल आये और उन्होंने कहा कि अंतर्रात्मा की आवाज़ सुनने वाला ही सच्चा प्रजापालक बन सकता है. उन्होंने दूसरे राजकुमार को युवराज बना दिया . स्टीव जॉन्स ने हमेशा अंतर्रात्मा की सुनी और एप्पल नाम की विश्वस्तरीय कंपनी खड़ी कर दी. सिद्धार्थ गौतम की अंतर्रात्मा ने उन्हें गौतम बुद्ध बनाया . मोहनदास करमचंद गांधी ने भी अपने अंदर की आवाज़ सुनी और वे राष्ट्रपिता बापू बन गये. अभ्यास करने पर अंदर की आवाज़ सुनना सचमुच बहुत आसान हो जाता है. अपनी आंखें बंद कर एक गहरी सांस लें और सच्चे मन से खुद से सवाल पूछें , अंदर की आवाज़ आपको जवाब देगी. आप भी अंतर्रात्मा की आवाज़ सुने , साधारण से असाधारण , सामान्य से महान व्यक्ति बने , इसी शुभकामना के साथ आज का अंक समाप्त

इंजी. मधुर चितलांग्या ‘माधो’व्यंग्यकार व संपादक, दैनिक पूरब टाइम्स

यूपी समेत 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव की तारीखों को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली। पांचों राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके अगले दिन 14 मार्च को गोवा विधानसभा का कार्यकाल खत्म होगा, जबकि पंजाब की विधानसभा 16 मार्च, उत्तराखंड की 28 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 तक है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर के आगामी विधानसभा चुनावों का राजनीतिक कैलेंडर अब लगभग साफ़ होता दिख रहा है। केंद्र सरकार द्वारा चार चुनावी राज्यों में जनगणना की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और मणिपुर में उसके एक चरण को टालने के फैसले ने संकेत दे दिया है कि पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव फ़रवरी-मार्च 2027 के बीच कराए जा सकते हैं। यानी प्रशासनिक फैसलों के पीछे अब चुनावी घड़ी की टिक-टिक साफ़ सुनाई देने लगी है।

हम आपको बता दें कि पांचों राज्यों में सबसे पहले मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 13 मार्च 2027 को समाप्त होगा। इसके अगले दिन 14 मार्च को गोवा विधानसभा का कार्यकाल खत्म होगा, जबकि पंजाब की विधानसभा 16 मार्च, उत्तराखंड की 28 मार्च और उत्तर प्रदेश विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 तक है। 2022 में इन पांचों राज्यों के चुनाव एक साथ हुए थे और 2027 में भी चुनाव आयोग के सामने इन्हें एक साझा चुनावी चक्र में समेटने की चुनौती होगी।

चुनावी गणित का सबसे बड़ा दबाव मणिपुर की तारीख से पैदा होता है। चुनाव आयोग परंपरागत रूप से सबसे पहले कार्यकाल समाप्त होने वाली विधानसभा की समय-सीमा को ध्यान में रखकर पूरा कार्यक्रम तैयार करता रहा है। ऐसे में संभावना है कि मतदान 13 मार्च से पहले संपन्न करा लिया जाए। इसका सीधा असर उत्तर प्रदेश पर पड़ेगा, जहां विधानसभा का कार्यकाल मई के अंत



तक है, लेकिन चुनाव लगभग दो महीने पहले कराए जा सकते हैं। यह कोई असामान्य स्थिति इसलिए नहीं होगी क्योंकि संविधान चुनाव आयोग को विधानसभा का चुनाव कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक कराने की अनुमति देता है। पिछले तीन चुनावी चक्रों में भी उत्तर प्रदेश में समय से काफ़ी पहले मतदान हुआ है।

देश के सबसे बड़े और राजनीतिक रूप से सबसे निर्णायक राज्य उत्तर प्रदेश में बहुचरणीय मतदान लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि बिहार और पश्चिम बंगाल के हालिया चुनावी अनुभवों को देखते हुए चरणों की संख्या सीमित रखी जा सकती है। यदि आयोग दो चरणों का मॉडल अपनाता है तो मतदान फ़रवरी या मार्च के शुरुआती दिनों में शुरू हो सकता है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा जनवरी 2027 में होने की संभावना बन रही है।

देखा जाये तो इस पूरी कवायद में जनगणना 2027 एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक कारक बनकर उभरी है। हम आपको बता दें कि केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड के गैर-बर्फीले क्षेत्रों और गोवा में जनसंख्या गणना का चरण 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 के बीच कराने की अधिसूचना जारी की है। इसकी संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 रखी गई है। वहीं, मणिपुर में जनगणना के हाउसलिटिंग चरण को

अजय राय को सहारनपुर में एक पुरानी मस्जिद के विध्वंस के विरोध में लखनऊ में हिरासत में लिया गया

सोमवार को उत्तर प्रदेश पुलिस ने लखनऊ में राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को हिरासत में ले लिया। उन्होंने सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद एक ऐतिहासिक मस्जिद को गिराए जाने के विरोध में प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। पत्रकारों से बात करते हुए राय ने बीजेपी सरकार की आलोचना की और उसके कदमों को जबरदस्ती वाला और अन्यायपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सरकार जबरदस्ती कर रही है; अन्याय और दमन के खिलाफ़ आवाज़ उठाने पर हमें जबरन गिरफ्तार किया जा रहा है। हम इस जुल्म के खिलाफ़ ज़रूर लड़ेंगे।

आज मुसलमानों को निशाना बनाने वाली इस सरकार को हम उखाड़ फेंकेंगे और कांग्रेस कार्यकर्ता मुस्लिम समुदाय पर होने वाले किसी भी और अत्याचार के खिलाफ़ मजबूती से खड़े रहेंगे।

कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार सुबह मस्जिद को गिरा दिया गया। रविवार को राय ने घोषणा की कि हालात का जायजा लेने के लिए एक फ़ैक्ट-फ़र्इंडिंग टीम 7 सितंबर को सहारनपुर जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी फ़ैक्ट-फ़र्इंडिंग टीम 7 सितंबर को सहारनपुर पहुंचेगी और हालात को समझने



के लिए अधिकारियों से मिलेंगी। कहा जाता है कि यह मस्जिद लगभग सौ साल पुरानी थी और कलेक्ट्रेट बनने से पहले से वहां मौजूद थी। लखनऊ ईदगाह के इमाम मौलाना खालिद रशीद फ़िख्री महली ने भी सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर में बनी मस्जिद को गिराए जाने की सरकार की आलोचना की और उसके कदमों को जबरदस्ती वाला और अन्यायपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सरकारी मस्जिद को गिराने का काम कोर्ट के आदेश और कानूनी प्रक्रियाओं के अनुसार किया गया। उन्होंने कहा कि अहम जगहों पर प्रोविंशियल आर्म्ड कंस्टेबुलरी (PAC) और रीपड एक्शन फ़ोर्स (RAF) के अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है और अग्नाहों को फ़ैलने से रोकने के लिए सोशल मीडिया पर नज़र रखी जा रही है।



अपन तो कहेंगे: क्या आरक्षण की बहस आर्थिक आधार पर आरक्षण तक जाएगी

समान नागरिक सहिता को लेकर 8 सितंबर को दुर्ग में होगी परिचयात्मक बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य में समान नागरिक सहिता (यूसीसी) लागू किए जाने एवं इसके प्रारूप को तैयार करने के लिए शासन द्वारा उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। उच्च स्तरीय समिति के सदस्यों की उपस्थिति में समान नागरिक सहिता के प्रावधानों एवं इसके प्रभावों पर समूह चर्चा एवं परिचयात्मक बैठक का आयोजन 8 सितंबर 2026 को दोपहर 12 बजे से लोक निर्माण विभाग दुर्ग के सभाकक्ष में आयोजित किया गया है। सभागायुक्त एस.एन.राठौर ने दुर्ग, बालोदे एवं बेमेतरा जिले के संगठन प्रमुखों को शामिल होने तथा उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सभागायुक्त के आदेशानुसार बैठक के लिए एी वीरेन्द्र सिंह, अपर कलेक्टर दुर्ग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जांच हेतु दण्डाधिकारी नियुक्त, 18 सितम्बर तक साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी दुर्ग द्वारा मुक्त सिद्धार्थ ढोल पिता शंकर ढोल निवासी पंचशील नगर चरोदा की मृत्यु की दण्डाधिकारी जांच हेतु अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-3 को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उक्त के संबंध में जानकारी रखने वाले व्यक्ति 18 सितम्बर 2026 को कार्यालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भिलाई-3 के न्यायालय में कार्यालयीन समय में स्वयं उपस्थित होकर मौखिक या अभिलेखी साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं।

जन्म-मृत्यु पंजीयन हेतु अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक संपन्न

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा जन्म-मृत्यु पंजीयन की अंतर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागृह में ली गई जिसमें सभी सदस्यों एवं उपस्थित रजिस्ट्रार को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से 21 दिवस के भीतर प्रदाय करने एवं एक वर्ष से अधिक विलंबित पंजीयन हेतु कार्यपालिक दंडाधिकारी के आदेश उपरांत पंजीयन करने हेतु निर्देशित किया गया।

धान विक्रय हेतु एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य

- विभागों में लंबित बिजली बिल का करें भुगतान

- कलेक्टर श्री सिंह ने ली समय-सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक

पूरब टाइम्स दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में विभागीय प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध एवं पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने एग्रीस्टेक बटेक वलेम पंजीयन पर जोर देते हुए राजस्व एवं सीसीबी के अधिकारियों को शिविर आयोजित कर छुटे हुए किसानों का पंजीयन कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी सह खातेदार (सह-स्वामियों) का पंजीयन अवश्य कराएं। धान विक्रय हेतु एग्रीस्टेक पंजीयन अनिवार्य है। संयुक्त खातेदारों में सभी सदस्यों का पंजीयन जरूरी है। पंजीयन के अभाव में मुख्य खातेदार भी धान नहीं बेच पाएंगे। उन्होंने विभागों में लंबित बिजली बिल की जानकारी ली। साथ ही अधिकारियों को लंबित बिजली बिल का भुगतान विद्युत विभाग को शीघ्र करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले के नगरीय निकाय विगत माह की बिजली बिल के साथ लंबित बिलों के किस्ते भी जमा करते जाएं। जिले की किसी भी विभाग के कार्यालय में बिजली

जलकुंभी से पटा बैधनाथ पारा तालाब, महापौर ने निजी तालाब की

अत्यवस्था पर नाराजगी, मालिक को किया तलब

-महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने वार्ड 39 व 38 का किया निरीक्षण, नागरिकों की समस्याएं सुनी

-नाली निर्माण में स्लोप और सफाई व्यवस्था का रखें विशेष ध्यान, महापौर ने अधिकारी व ठेकेदार को दिए आवश्यक निर्देश, पूरब टाइम्स दुर्ग।नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत आज महापौर अलका बाघमार एवं निगम आयुक्त लीना कोसम ने एमआईसी सदस्यों एवं निगम अधिकारियों के साथ वार्ड क्रमांक 39 बैधनाथ पारा स्थित तालाब तथा वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

इस दौरान एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, स्थानीय पार्षद गुलाब वर्मा, रामचंद्र सेन, उपायुक्त मोहन्र साहू, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सुरेश केतलानी, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, उपअभिभूता विकास दमाहे,कुणाल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

तालाब में जलकुंभी की समस्या पर तत्काल कार्रवाई वार्ड क्रमांक 39 के पार्षद गुलाब वर्मा एवं वार्डवासियों द्वारा महापौर अलका बाघमार से मुलाकात कर बैधनाथ पारा स्थित तालाब में बड़ी मात्रा में जलकुंभी फैलने तथा लंबे समय से सफाई नहीं होने की शिकायत की गई थी।

नागरिकों ने बताया कि जलकुंभी सड़ने के कारण तालाब के आसपास दुर्गंध की समस्या उत्पन्न हो रही है। नागरिकों की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त लीना कोसम ने मौके पर पहुंचकर तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने संबंधित अधिकारियों को तालाब में फैली जलकुंभी को तत्काल हटाने तथा तालाब की समुचित सफाई कराने के निर्देश दिए। महापौर ने निजी तालाब की अव्यवस्था पर नाराजगी, मालिक को किया तलब।

उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता एवं नागरिकों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिकता है। तालाबों की नियमित सफाई एवं देखरेख में किसी भी

-अभियान के तहत विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन, जन-जन तक पहुंचेगा अभियान

-जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यों से कराया गया अवगत पूरब टाइम्स दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, जनसम्पर्क विभाग के दिशा-निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ का गरिमामय एवं व्यापक आयोजन किया जा रहा है। जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करने, ‘विकसित भारत 2047’ का सामूहिक संकल्प लेने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले के ग्राम, वार्ड, विकासखंड एवं जिला स्तर पर विविध आयोजन होंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने अभियान के सुचारु संचालन, अंतर्विभागीय समन्वय और व्यवस्थाओं की निगरानी हेतु जिला स्तर पर अपर कलेक्टर व सीईओ जिला पंचायत को जिला नोडल अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों को विभागीय अधिकारी नियुक्त किया है। अभियान की सफल संचालन हेतु जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। उक्त बैठक में संबंधित अधिकारियों को उनके कार्यों से अवगत कराया गया। कलेक्टर ने अधिकारियों को विभागीय कार्य योजना बना कर जिला नोडल अधिकारी जिला पंचायत सीईओ बजरंग दुबे को प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में जिला नोडल अधिकारी श्री दुबे ने अभियान के सुचारु संचालन हेतु

विज्ञापन कटआउट लगाने वालों पर होगी एफआईआर: महापौर अलका बाघमार

-नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एआइसी में लिया गया निर्णय,यातायात व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, पूरब टाइम्स दुर्ग। महापौर अलका बाघमार की अध्यक्षता एवं आयुक्त लीना कोसम की उपस्थिति में सोमवार को दोपहर 3 बजे डाटा सेंटर में मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्माण कार्यों, सड़क चौड़ीकरण, शुलभ शौचालय, कर व्यवस्था, जगृह सहित शहर के विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा उपरांत अनेक प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की

गई। बैठक में महापौर द्वारा मंगाए गए 12 बिंदुओं पर संबंधित विभागों द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई, जिस पर एमआईसी सदस्यों ने विस्तार से विचार-विमर्श किया।

बैठक में निगम सीमा क्षेत्र के निजी एवं शासकीय भवनों की छतों पर विज्ञापन एजेंसियों द्वारा लगाए गए होर्डिंग्स एवं विज्ञापन बोर्डों को लेकर चर्चा हुई। क्हापौर ने कहा कि आधी-बारिश के दौरान क्षतिग्रस्त होर्डिंग्स के फटकर सड़क पर गिरने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। साथ ही इनके स्ट्रक्चर के गिरने की संभावना के साथ शहर की सुंदरता भी प्रभावित होती है।



आने वाले दिनों में शासन स्तर पर मॉनिटरिंग होनी है। इस दौरान उपस्थिति के संबंध में किसी भी प्रकार के कार्यवाही के लिए अधिकारी-कर्मचारी स्वयं जिम्मेदार होंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने ई-एचआरएमएस के क्रियान्वयन की भी जानकारी ली। जिन विभागों में ई-एचआरएमएस की प्रक्रिया पूर्ण नहीं हुई है, उन्हें एनआईसी से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करते हुए कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में अवगत कराया गया कि विभागावार ई-रचआरएमएस डाटा अपडेट करने हेतु रोस्टर बनायी गई है, जिसके अंतर्गत विभाग के नोडल अधिकारी के साथ एक डाटा एन्ट्री ऑपररेटर को एनआईसी दुर्ग में निर्धारित तिथि में उपस्थिति सुनिश्चित करने कहा गया है। बैठक में आयुष्मान कार्ड, वयवन्दन कार्ड की प्रगति एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की अद्यतन स्थिति की भी समीक्षा की गई। विभागों में लंबित समय-सीमा प्रकरणों का निराकरण शीघ्र करने के निर्देश दिये गये।

बैठक में नगर निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरुषि सिंह, नगर निगम दुर्ग की आयुक्त सुश्री लीना कोसम, अपर कलेक्टर योगिता देवांगन, एडीएम विरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत के सीईओ बी.के दुबे, अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिद्धी थामस सहित सभी एसडीएम, जनपद सीईओ और समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।



प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नाली निर्माण में स्लोप का रखें विशेष ध्यान-इसके पश्चात महापौर एवं आयुक्त ने वार्ड क्रमांक 38 महावीर कॉलोनी में चल रहे नाली निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। महापौर ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों तथा ठेकेदार को निर्देशित किया कि नाली निर्माण के दौरान उचित स्लोप का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि नाली में पानी का जमाव न हो और पानी का निकास सुचारु रूप से हो सके।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने नाली निर्माण के दौरान कई स्थानों पर घरों के गेट के सामने बनाए गए बड़े स्लोप को लेकर नाराजगी जहिर की। उन्होंने कहा कि अत्यधिक बड़े स्लोप के कारण नाली की सफाई करने में सफाई कर्मियों को परेशानी होगी।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालियों के ऊपर उचित आकार की जाली लगाई जाए, जिससे सफाई कर्मी आसानी से नाली की सफाई कर सकें और भविष्य में नाली में कचरा जमा होने की समस्या भी कम हो।

जिले में “सेवा संकल्प अभियान” का भव्य आयोजन 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक



इस अभियान के सुचारु संचालन के लिए प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई है। इसके अंतर्गत पंचायत व नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा परिवार स्तर पर ‘आशीर्वाद का दीया’, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यालय स्तर पर ‘25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत’, संस्कृति विभाग द्वारा ग्राम व नगर स्तर पर ‘नमो सेवा गाथा’ (नुक़ड़ नाटक) तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में ‘आंगन का उत्सव’ का आयोजन किया जाएगा। वहीं जनसपर्क विभाग वलस्टर व जिला स्तर पर ‘कहानी बदलाव की’, पर्यटन विभाग राज्य स्तर पर ‘विकसित भारत संकल्प यात्रा’, परिवहन विभाग जिला स्तर पर ‘सेवा ज्योति यात्रा’ तथा आवास एवं पर्यावरण विभाग नागरिक स्तर पर ‘सेवा मेरा योगदान’ (जिसमें नदी घाट स्वच्छता शामिल है) पहल का संचालन करेंगे। इसके अलावा सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विकासखंड व विधानसभा स्तर पर ‘सेवा सेतु शिविर’, उच्च शिक्षा विभाग द्वारा चयनित शहरों में ‘रंगोली राष्ट्र’, वाणिज्य व उद्योग विभाग द्वारा क्षेत्रीय केंद्रों में ‘राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज’ और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ‘जनसेवक महाकुंभ’ का भव्य

द्वारा ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित किया जाएगा, जिसके लिए पूर्व-निर्धारित मैदानी टीमों द्वारा हितग्राहियों तक व्हाटअप वीडियो के माध्यम से आमंत्रण पत्र व संदेश पहुंचाया जाएगा। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग के नेतृत्व में 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के मध्य जिले के सभी शासकीय व निजी विद्यालयों में 7 से 10 दिवसीय आयोजन के तहत ‘25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत’ विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें बिना किसी अतिरिक्त व्यय के उपलब्ध कक्षों में बच्चों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और जिला व राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्री साय के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

आमजनों को जागरूक करने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किए गए 25-30 मिनट के हिंदी मास्टर स्क्रिप्ट

आयोजन किया जाएगा।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर 17 सितंबर 2026 की संंध्या को पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय प्रशासन विभाग के समन्वय से जिले के प्रत्येक जमीनी इकाई क्षेत्र में घर-घर संपर्क कर प्रत्येक परिवार को ‘आशीर्वाद का दीया’ प्रज्वलित किया जाएगा, जिसके लिए पूर्व-निर्धारित मैदानी टीमों द्वारा हितग्राहियों तक व्हाटअप वीडियो के माध्यम से आमंत्रण पत्र व संदेश पहुंचाया जाएगा। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग के नेतृत्व में 17 सितंबर से 7 अक्टूबर के मध्य जिले के सभी शासकीय व निजी विद्यालयों में 7 से 10 दिवसीय आयोजन के तहत ‘25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत’ विषय पर ड्राइंग एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा, जिसमें बिना किसी अतिरिक्त व्यय के उपलब्ध कक्षों में बच्चों की कलाकृतियों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और जिला व राज्य स्तर पर मुख्यमंत्री श्री साय के हस्ताक्षरयुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

आमजनों को जागरूक करने के लिए संस्कृति विभाग द्वारा तैयार किए गए 25-30 मिनट के हिंदी मास्टर स्क्रिप्ट

रेड ड्रॉप प्रेंह्स वलब ने किया शिक्षकों का सम्मान

भिलाई-3 चरोदा । रेड ड्रॉप प्रेंह्स वलब छत्तीसगढ़ ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन की जयंती पर विभिन्न स्कूलों के शिक्षक शिक्षिकाओं का सम्मान किया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरवाय की प्राचार्य माया देवांगन ने संस्था के सभी सदस्यों का स्वागत किया।

तत्पश्चात रेड ड्रॉप प्रेंह्स वलब के संयोजक सुरज साहू प्रदेश उपाध्यक्ष रामकुमार साहू आचार्य हरीश, महेंद्र साहू, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के जिला योजना प्रभारी मीना गिरी ने शासकीय प्राथमिक शाला उमदा के प्रधान पाठक सतवतीन बंजारे,रेखा देवी गर्ग, दिनेश्वरी साहू, सतेश्वरी पटेल पीएम श्री प्राथमिक शाला जरवाय के प्रधान पाठक सुरेशा शर्मा, भारती देवी साहू, केदार यादव,हितेश्वरी शर्मा, अर्पणा वैष्णव, नरेंद्र कुमार साहू, विश्व कांत हिरवानी, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरवाय के प्राचार्य श्रीमती माया देवांगन, जे पी महिलांग, संंध्या किशोर तिवारी,स्मिता तिवारी गजेंद्र शर्मा,सुनीता देवांगन, माहेश्वरी यादव, शालिनी चाहन्दे, संगीता दुबे

राजकुमार साव अलका शर्मा, विशाकांत साहू, कुमकुम देवांगन, जय विश्वास, माधवी राय, राजेश्वरी वर्मा सत्यप्रकाश बंजारे, हेमंत कुमार देवांगन शासकीय प्राथमिक शाला दादर के प्रधान पाठक सुनील कुमार वर्मा, चंद्रकांत साहू, मोंगेश्वरी साहू, संत कबीर पब्लिक स्कूल के प्रिंसिपल मोनाली पाल, कविता पाटिल, दिव्या थापा, किरण यादव,निशा देवांगन,अनु यादव पिंकी महतो, सुष्मा तांडी, रितिका चंद्राकर, पुष्पा बया संत कबीर पब्लिक स्कूल के संचालक दया दास साहू, माय छोटा स्कूल के प्रधान पाठक श्रीमती माधुरी



साहू, भवानी लामा प्रज्ञा दामले, नालंदा उड्के, स्नेहा पटेल, हर्षिता एवं कॉमर्स गुरु सत्यनारायण पात्रों, योगेंद्र वलासेस के डायरेक्टर योगेंद्र कुमार साहू तथा अन्य शिक्षक शिक्षिकाओं का भी सम्मान किया गया।

हथखोज में सांसद बघेल ने किया छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण

भिलाई । हथखोज में नव जागृति दुर्यात्सव समिति, श्रीराम सेवा समिति, हमर हरियर भुइया समिति एवं अजय नव जागृति शीतला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा स्थापना एवं अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा का अनावरण कर विधिवत पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्हें उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद विजय बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी हमारी संस्कृति, परंपरा, पहचान और अस्मिता का प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा की स्थापना हमारी माटी और संस्कृति के प्रति सम्मान एवं गौरव को और मजबूत करेगी। इससे नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि सतीश साहू, आंबीसी मोर्चा प्रदेश महामंत्री उपकार चंद्राकर, तेजपाल, ग्राम विकास समिति अध्यक्ष सुकालू मढ़रिया, पार्षद राकेश बंछेर, पुनीत साहू, पंचू यादव, भिखु बंछेर, द्रोण वर्मा, अजय बंछेर, सुरजीत वर्मा, आशीष, रोशन, देवेंद्र साहू, शरद, राजा, नागेश यमन,



प्रेम सहित समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं नागरिक उपस्थित रहे। आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह रहा। उपस्थित नागरिकों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और गौरव को आगे बढ़ाने वाले ऐसे आयोजनों की सराहना की।

भिलाई चरोदा शिविर में 57 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का हुआ पंजीयन



- 08 सितम्बर को नगर पालिक निगम रिसाली के सभागार में शिविर का आयोजन

पूरब टाइम्स दुर्ग। जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग दुर्ग के सहयोग से एपीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एआईसी) भारत सरकार वित्त मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) एवं इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड (ई.आई.एल.) भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) योजनान्तर्गत एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिव्को) रायपुर द्वारा दुर्ग जिले के दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण प्रदाय हेतु दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों हेतु मूल्यांकन/परीक्षण/चिन्हांकन शिविर का आयोजन न.पा.नि. भिलाई-चरोदा/न.पा.प. कुहारी/जामूल/अहिंवारा/न.प. धमधा व जनपद पंचायत धमधा के समस्त ग्राम पंचायतों को सम्मिलित करते हुए स्थान मंगल भवन, नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के पीछे जिला दुर्ग में शिविर आयोजित किया गया।



आयोजित शिविर में कुल 57 दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठजनों का पंजीयन किया गया जिसमें से दिव्यांगजनों हेतु सामाग्री - मोटराईज्ड ट्रायसायकल, ट्रायसायकल, बैसाखी, व्हील चेयर, तथा वरिष्ठजनों हेतु श्रवण यंत्र, कमोड चेयर आदि उपकरणों को सहित कुल-138 सामाग्रियों के लिए चिन्हांकित किया गया। उक्त अवसर पर सांसद प्रतिनिधि श्री विपिन चंद्रकार तथा वार्ड पार्षदगण कामता साहू, रंजीता सुरेश बेनूआ, गुरुचरण सिंग, पार्वती महानंद,ए.पी. गौतम, उपसंचालक समाज कल्याण विभाग दुर्ग, एलिव्को रायपुर के चिकित्सकीय दल एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के कर्मचारी समाज कल्याण विभाग व जनपद पंचायत धमधा के कर्मचारी, प्रेस/मीडिया के कर्मचारी साथी उपस्थित रहे।

इसी कड़ी में 08 सितम्बर 2026 को नगर पालिक निगम रिसाली के सभागार में शिविर आयोजित किया गया है। जिसमें नगर निगम रिसाली, नगर पंचायत पाटन, जनपद पंचायत पाटन के समस्त ग्राम पंचायत, नगर पालिका अमलेश्वर एवं नगर पंचायत उर्ताई शामिल है।

सिटी सक्षिप्त समाचार

गरियाबंद में 11 सितंबर को लगेगा रोजगार मेला, 354 पदों पर होगी भर्ती

सिक्वोरिटी गार्ड से लेकर फ़ैल्ड ऑफ़िसर और कम्प्यूटर ऑपरैटर तक विभिन्न पदों के लिए अवसर

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ शासन, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण के निर्देशानुसार जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, गरियाबंद द्वारा 11 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को कार्यालय परिसर में रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी प्रतिष्ठानों में उपलब्ध कुल 354 रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। रोजगार मेला प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित होगा। इसमें निजी प्रतिष्ठान अलर्ट एस.जी.एस. प्रा. लिमिटेड, रायपुर एवं स्वतंत्र माइक्रो फ़इनेंस प्रा. लि., रायपुर द्वारा विभिन्न पदों पर भर्ती की जाएगी। इनमें सिक्वोरिटी गार्ड, सिक्वोरिटी सुरवाइजर, असिस्टेंट सुरवाइजर, मार्केटिंग, कम्प्यूटर ऑपरैटर, फ़ैल्ड ऑफ़िसर एवं कलेक्शन ऑफ़िसर के पद शामिल हैं।

8वीं से स्नातकोत्तर तक के अभ्यर्थियों को अवसर –जिला रोजगार अधिकारी अंजुम अफ़रोज ने बताया कि रोजगार मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, पीजीडीसीए एवं स्नातकोत्तर उत्तीर्ण इच्छुक अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ दो पासपोर्ट साइज फ़ोटो तथा समस्त शैक्षणिक एवं तकनीकी योग्यता संबंधी अंकसूची, प्रमाण पत्र की मूल प्रति एवं छात्राप्रति लाना अनिवार्य होगा।

ऑनलाइन पंजीयन जरूरी –रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए अधिकृत वेबसाईट ई-रोजगार पोर्टल या छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन करना अनिवार्य है। पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होकर रोजगार के इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं।

धमतरी में रैपिडो की सेवाएं शुरू, आवागमन को मिलेगी नई सुविधा

स्थानीय नागरिकों एवं जरूरतमंदों के लिए सुविधाजनक और सुलभ परिवहन विकल्प उपलब्ध

धमतरी। जिले में नागरिकों को सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक नई पहल हुई है। धमतरी शहर में रैपिडो (त्पक्व) ने औपचारिक रूप से अपनी सेवाएं शुरू कर दी हैं। इसके माध्यम से नागरिकों को शहर के भीतर आने-जाने के लिए एक और परिवहन विकल्प उपलब्ध होगा।

रैपिडो की सेवा शुरू होने से विशेष रूप से ऐसे नागरिकों को सुविधा मिलने की उम्मीद है, जिन्हें दैनिक आवागमन, बाजार, अस्पताल, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों सहित अन्य आवश्यक कार्यों के लिए त्वरित एवं सुविधाजनक परिवहन की आवश्यकता होती है। इससे शहर में स्थानीय स्तर पर आवागमन को और अधिक सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

जिले में नागरिक सुविधाओं के विस्तार के साथ आधुनिक तकनीक आधारित सेवाओं की उपलब्धता भी बढ़ रही है।

आत्मनिर्भरता की नई मिसाल- खेतों से मशरूम उत्पादन तक मिथिला दीदी ने लिखी सफलता की नई कहानी

स्व-सहायता समूह के सहयोग से 1.5

लाख की पूंजी से शुरू किया काम, अब हर

महीने कमा रही है 50 हजार रुपये

सारंगढ़-बिलाईगढ़। पारंपरिक कृषि पर

निर्भरता से निकलकर आत्मनिर्भरता की

राह पकड़ने वाली ग्रामीण महिलाओं की

सूची में अब सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के

बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम

पंचायत खोरीगांव की मिथिला नायक

दीदी का नाम भी जुड़ गया है। अपनी

कड़ी मेहनत, सूझबूझ और शासकीय

योजनाओं के सही क्रियान्वयन के बदौलत

मिथिला दीदी ने अपने परिवार की आर्थिक

स्थिति को पूरी तरह बदल दिया है।

सीमित आय से आर्थिक मजबूती की ओर

मिथिलाओं में आत्मनिर्भरता की जो लहर

उठ रही हैए उसका एक प्रेरणादायक उदाहरण

बरमकेला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत

खोरीगांव की मिथिला नायक दीदी हैंए जिनके

लिए मशरूम उत्पादन की खेती वरदान

साबित हुई है। शुरुआत में परिवार की वित्तीय

जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल

पारंपरिक खेती पर निर्भर रहना पड़ता था,

जिससे घर का खर्च चलाना कठिन हो रहा था।

इस चुनौती से निपटने के लिए मिथिला दीदी



ने अन्नपूर्णा स्व-सहायता समूह से जुड़ने का फैसला किया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें सखी वलस्टर संगठन, बुदेली के माध्यम से वित्तीय सहयोग प्राप्त हुआ।

‘1 लाख 50 हजार रूपए की शुरुआती पूंजी से

सफ़र का आगाज’-मशरूम उत्पादन का

व्यवसाय शुरू करने के लिए उन्होंने सखी

वलस्टर संगठन से ऋण 1 लाख 20 हजार

रूपए, अपनी व्यक्तिगत बचत से 30 हजार

रूपए इस प्रकार कुल शुरुआती लगतरु 1

लाख 20 हजार रूपए से मशरूम उत्पादन

का कार्य शुरू की। शुरुआती दौर में यह कार्य

नया था, लेकिन सीखने की ललक और निरंतर

प्रयासों से जल्द ही मशरूम उत्पादन एक सफल

आजीविका गतिविधि में बदल गया। शुरुआती

दौर में तापमान नियंत्रण, मार्केटिंग और तकनीकी जानकारी की कमी जैसी कई समस्याएं सामने आईं। लेकिन मिथिला दीदी ने प्रशिक्षण लेकर और आपसी सहयोग से इन सभी चुनौतियों को अवसर में बदल दिया।

‘हर माह 50 हजार रूपए की आय और

प्रेरणादायक पहल’- बेहतर गुणवत्ता और

उत्पादन के चलते स्थानीय बाजारों में मशरूम

की मांग तेजी से बढ़ी। वर्तमान में मिथिला दीदी

अपने घर से ही मशरूम उत्पादन कर स्थानीय

बाजार में बेचती हैं और प्रतिमाह लगभग 50

हजार रूपए की आमदनी अर्जित कर रही हैं।

उनकी यह सफ़लता आज क्षेत्र की अन्य

महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई है।

‘सुशासन नीति और बेहतर मॉनिटरिंग का

परिणाम’- मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व

में राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था

को मजबूत करने और महिलाओं को

आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर विशेष

ग्रामों एवं प्रमुख स्थानों पर डोर-टू-डोर कचरा

संग्रहण, कचरे का पृथक्करण एवं साफ-सफ़ाई का कार्य

किया जा रहा है। कचरा फेंके जाने वाले स्थानों की

सफ़ाई कर वहां दोबारा कचरा जमा न हो, इसके लिए

आवश्यक निगरानी एवं जागरूकता की व्यवस्था की

जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत

रायगढ़ मेडिकल कॉलेज के चिकित्सकों की उपलब्धि : महिला के पेट से निकाला गया 8 किलोग्राम वजनी विशालकाय ट्यूमर

महिलाओं ने अपने खेतों में वैज्ञानिक तकनीक अपनाने हुए लौकी, करेला और खीरा की खेती शुरू की।

600 क़िटल सब्जियों की बंपर पैदावार

महिलाओं की कड़ी मेहनत और

आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोग से

खेतों में शानदार उत्पादन हुआ। सब्जी

की फ़सल से बचत बढ़ने लगी तो

महिलाओं का हौसला बढ़ा। इसके

साथ ही फ़सल का दायरा बढ़ाने लगी,

जिससे पैदावार में बढ़ोत्तरी होने लगी।

महिलाओं ने सामूहिक खेती कर लौकी 250

क़िटल, करेला 250 क़िटल, खीरा 100

क़िटल का उत्पादन की। कुल सब्जी उत्पादन

600 क़िटल होने लगा।

बिचौलियों से मुक्ति, सीधे थोक बाजार से

जुड़ाव

सफ़लता की सबसे बड़ी कड़ी महिलाओं की

विपणन (मार्केटिंग) रणनीति रही।

बिचौलियों पर निर्भर रहने के बजाय समूह

की दीर्घियों ने अपनी उपज को सीधे थोक

बाजार तक पहुंचाया। इससे फ़सल का उचित

दाम मिला और कुल आय 6 लाख रूपए

तक पहुंच गई।

3

सुशासन एवं स्वप्रगटीकरण की दिशा में अभिनव पहल का एक वर्ष पूर्ण

वीबी – जीरामजी योजना के व्यूआर कोड को मिले 7 लाख से अधिक स्कैन, औसत प्रतिदिन 2 हजार से अधिक लोगों ने ली जानकारी

प्रदेश की ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता, जवाबदेही और सूचना की सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने की अभिनव पहल ने पूरा किया एक वर्ष

रायपुर। सुशासन, पारदर्शिता एवं स्वप्रगतिकरण को बढ़ावा देने की दिशा में प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शुरू की गई अभिनव पहल ‘व्यूआर कोड

आधारित सूचना प्रणाली ने एक वर्ष पूर्ण कर लिया है। वर्तमान में वीबी जी राम जी, पूर्व में मनरेगा के अंतर्गत प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में पिछले वर्ष व्यूआर कोड प्रदर्शित किए गए थे। इस नवाचार के माध्यम से ग्रामीणों एवं आमजन को संबंधित ग्राम पंचायत में योजना के तहत हुए कार्यों, उनके भुगतान एवं अन्य संबंधित विवरणों की जानकारी स्वयं प्राप्त कर सकते हैं। इससे महत्वपूर्ण जानकारीयां एक ही स्थान पर सहज, सरल एवं सुलभ रूप से उपलब्ध कराई गईं।

‘एक वर्ष में व्यूआर कोड को 7 लाख से अधिक बार स्कैन किया गया’

इस पहल को प्रदेशवासियों का उल्लेखनीय प्रतिसाद मिला है। पिछले एक वर्ष में इन व्यूआर कोड को 7 लाख से अधिक बार स्कैन किया गया, यानी औसतन प्रतिदिन 2 हजार से अधिक बार ग्रामीणों एवं आमजन ने योजना से संबंधित जानकारी प्राप्त की। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि तकनीक आधारित सूचना व्यवस्था को आमजन ने व्यापक रूप से अपनाया है।

‘पारदर्शिता और जवाबदेही को मिला नया आयाम’ – व्यूआर कोड के माध्यम से प्रत्येक

ग्राम पंचायत में योजना के अंतर्गत कराए गए कार्यों एवं उनसे संबंधित जानकारी आमजन की पहुंच में आने से पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूती मिली है। ग्रामीण अब

अपने क्षेत्र में योजना के तहत हुए कार्यों, उनके भुगतान एवं अन्य संबंधित विवरणों की जानकारी स्वयं प्राप्त कर सकते हैं। इससे सूचना के लिए किसी कार्यालय के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है और आमजन को ‘सूचना मांगने’ के बजाय

संबंधित व्यूआर कोड तैयार कर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है। व्यूआर कोड को स्कैन कर कोई भी व्यक्ति ग्राम पंचायत में संचालित रोजगारमूलक योजनाओं, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकता है। कोरिया जिले में इस नवाचार को अब एक वर्ष पूर्ण हो चुका है।

‘कार्यस्थलों पर भी ग्रामीणों को दी गई जानकारी’-विकसित भारत जीरामजी

योजना एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के

अंतर्गत व्यूआर कोड के माध्यम से

जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया से

ग्रामीणों को कार्यस्थलों पर भी अवगत

कराया गया।



‘सूचना देखने’ की सुविधा मिली है। इस

नवाचार ने योजनाओं के क्रियान्वयन में

पारदर्शिता बढ़ाने के साथ-साथ संभावित

अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगाने में

भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। योजना

संबंधी जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध

होने से सामाजिक निगरानी और

छत्तीसगढ़-राजधानी समाचार

‘मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित हुआ नवाचार’-व्यूआर कोड आधारित इस स्वप्रगतिकरण नवाचार की प्रभावशीलता और उपयोगिता को देखते हुए इसे मुख्यमंत्री एक्सीलेंस अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया है। यह सम्मान इस बात का प्रमाण है कि तकनीक के प्रभावी उपयोग के माध्यम से सुशासन को ग्राम पंचायत स्तर तक पहुंचाने की यह पहल उल्लेखनीय और अनुकरणीय है। “जानकारी सबकी, निगरानी सबकी” की दिशा में प्रभावी कदम’-बीबी- जीरामजी

योजना के व्यूआर कोड ने ग्राम पंचायतों में सूचना को सीमित दायरे से निकालकर सीधे आमजन तक पहुंचाया है। पिछले एक वर्ष में 7 लाख से अधिक स्कैन इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

जनभागीदारी को बढ़ावा मिला है।

‘आरटीआई एवं शिकायतों में भी कमी’

व्यूआर कोड के माध्यम से योजना से

संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत स्तर

पर ही उपलब्ध होने का सकारात्मक प्रभाव

सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत

प्राप्त आवेदनों तथा योजना संबंधी शिकायतों

में सुचना को सीमित दायरे से निकालकर सीधे आमजन तक पहुंचाया है। पिछले एक वर्ष में 7 लाख से अधिक स्कैन इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

‘आरटीआई एवं शिकायतों में भी कमी’

व्यूआर कोड के माध्यम से योजना से

संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत स्तर

पर ही उपलब्ध होने का सकारात्मक प्रभाव

सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत

प्राप्त आवेदनों तथा योजना संबंधी शिकायतों

में सुचना को सीमित दायरे से निकालकर सीधे आमजन तक पहुंचाया है। पिछले एक वर्ष में 7 लाख से अधिक स्कैन इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

‘आरटीआई एवं शिकायतों में भी कमी’

व्यूआर कोड के माध्यम से योजना से

संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत स्तर

पर ही उपलब्ध होने का सकारात्मक प्रभाव

सूचना का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत

प्राप्त आवेदनों तथा योजना संबंधी शिकायतों

में सुचना को सीमित दायरे से निकालकर सीधे आमजन तक पहुंचाया है। पिछले एक वर्ष में 7 लाख से अधिक स्कैन इस बात का प्रमाण हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने की स्वीकार्यता तेजी से बढ़ रही है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी आमजन की समस्याएं, 38 आवेदनों का त्वरित निराकरण के दिे निर्देश

बेमतेरा। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई ने आज कलेक्ट्रेट में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले भर से आए नागरिकों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनीं।

जनदर्शन के दौरान कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। नागरिकों ने निराश्रित एवं वृद्धावस्था पेंशन,

दिव्यांग पेंशन, बैटरी चलित ट्रायसाइकल,

प्रधानमंत्री आवास योजना, कटा हुआ रकबा

जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने और आम रास्ता

खुलवाने सहित जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर

अपनी मांगें और शिकायतें रखीं।

कलेक्टर सुश्री ममगाई ने प्रत्येक आवेदन पर

व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लेते हुए कई प्रकरणों

में संबंधित विभागीय अधिकारियों को दूरभाष

पर और समक्ष बुलाकर त्वरित कार्यवाही के

निर्देश दिए। कई आवेदनों का मौके पर ही

निराकरण किया गया, जबकि गंभीर एवं जांच

योग्य प्रकरणों को समय-सीमा (टीएल) पंजी

में दर्ज कर नियमानुसार शीघ्र निराकरण के

निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन प्रशासन और

जनता के बीच सीधा संवाद का सशक्त माध्यम है।

प्रत्येक आवेदन का निराकरण संवेदनशीलता

और समयबद्धता के साथ किया जाएगा। उन्होंने

सभी आवेदकों को उनकी समस्याओं के शीघ्र

समाधान का आश्वासन दिया।

कलेक्टर तनुजा सलाम ने स्वच्छता को दी सर्वोच्च प्राथमिकता गांव-गांव स्वच्छता व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश

– हर गांव में चलेगा स्वच्छता का व्यापक

अभियान

– तीनों जनपद पंचायतों में विशेष स्वच्छता

अभियान, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण और

ब्लैक स्पॉट की सफाई

मोहला। कलेक्टर तनुजा सलाम के निर्देशानुसार

जिले में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी

बनाने के लिए व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा

रहा है। ग्राम स्तर पर स्वच्छता गतिविधियों की

नियमित समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्वच्छता

को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रभावी कार्रवाई

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। जिला प्रशासन

का उद्देश्य जिले के प्रत्येक गांव में स्वच्छ, सुंदर एवं

स्वस्थ वातावरण तैयार करना है।

इसी क्रम में मोहला, मानपुर एवं अंबागढ़ चौकी

तीनों जनपद पंचायतों में विशेष स्वच्छता अभियान

संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान विभिन्न

ग्रामों एवं प्रमुख स्थानों पर डोर-टू-डोर कचरा

संग्रहण, कचरे का पृथक्करण एवं साफ-सफाई का कार्य

किया जा रहा है। कचरा फेंके जाने वाले स्थानों की

सफाई कर वहां दोबारा कचरा जमा न हो, इसके लिए

आवश्यक निगरानी एवं जागरूकता की व्यवस्था की

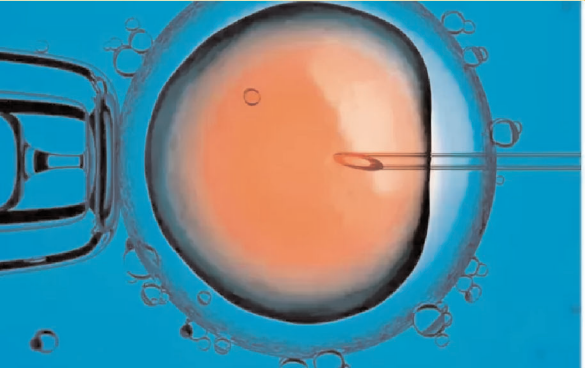
जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत



जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी की ग्राम पंचायतों में स्वच्छताग्राही दीर्घियों द्वारा डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण कर कचरे का पृथक्करण किया जा रहा है। साथ ही स्वच्छता टैक्स की वसूली का कार्य भी किया

ज्ञान-विज्ञान की बातें

नियमों का उल्लंघन करते पाए गए 50 IVF सेंटर को कारण बताओ नोटिस जारी , नौ सस्पेंड किए गए



स्वास्थ्य विभाग ने ‘असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी’ (ART) और सरोगेसी कानूनों के नियमों का उल्लंघन करने के लिए 50 प्राइवेट फर्टिलिटी और IVF सेंटरों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। जांच में गंभीर कमियां पाए जाने के बाद नौ सेंटरों की परमिशन अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दी गई, जबकि दो सेंटरों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया।

अधिकांशों ने 379 प्राइवेट फर्टिलिटी सेंटरों की जांच की और 50 में गड़बड़ियां पाईं। उल्लंघनों में बिना अपडेट किए स्टाफ में बदलाव, रिकॉर्ड ठीक से न रखना, रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट न दिखाना, शिकायत निवारण सेल का न होना और रजिस्टर्ड पते के अलावा किसी और पते पर सेंटर चलाना शामिल था। उल्लंघनों की गंभीरता के आधार पर कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण कमिश्नर डॉ. संगीता सत्यनारायण ने सोमवार को एक समीक्षा बैठक के दौरान स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को इन उल्लंघनों के बारे में जानकारी दी। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नियमों का पालन न करने वाले सेंटरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े।

गांधी अस्पताल और पेटलाबुर्ज मैटरनिटी अस्पताल में सरकारी IVF सेंटरों के बारे में अधिकारियों ने बताया कि इन दो सेंटरों ने 39,802 मरीजों को फर्टिलिटी सेवाएं दी हैं, 20,185 फॉलोअप स्टडीज, 521 IVI प्रक्रियाएं और 545 IVF प्रक्रियाएं की हैं। गांधी सेंटर अक्टूबर 2024 में शुरू हुआ, जबकि पेटलाबुर्ज सेंटर दिसंबर 2024 में खुला।

राजनरसिम्हा ने अधिकारियों को सेवाओं को बेहतर बनाने और चरणों में जिलों तक IVF सुविधाएं बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने PC-PNDT कानून के लागू होने की भी समीक्षा की। अप्रैल और जुलाई के बीच, अस्पतालों और स्कैनिंग सेंटरों में 2,600 जांचें की गईं, जिनमें 52 कमियां और 37 उल्लंघन पाए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वे राज्य में रजिस्टर्ड 477 क्लिनिक और सरोगेसी सेंटरों पर नजर रखें, जिनमें 129 ART लेवल-1 सेंटर, 226 ART लेवल-2 सेंटर, 59 ART बैंक और 63 सरोगेसी क्लिनिक शामिल हैं। जांच में स्टाफ की जानकारी, रजिस्ट्रेशन, शिकायत निवारण सिस्टम और इस्तेमाल की जाने वाली दवाएं (मेन्युफैक्चरर और रिटेल कीमत सहित) शामिल होंगी।

बिहार-यूपी जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट से हैं परेशान? अपनाएं आईआरसीटीसी के ये 3 स्मार्ट डिजिटल तरीके

इस साल 8 नवंबर 2026 को मनाए जाने वाले दिवाली के पावन पर्व और उसके बाद शुरू होने वाले छठ पूजा के त्योहार को देखते हुए भारतीय रेलवे ने अग्रिम टिकट बुकिंग की शुरुआत कर दी है. 60 दिन के एडवांस रिजर्वेशन पीरियड (ARP) नियम के तहत सुबह 8 बजे से आईआरसीटीसी (IRCTC) पर टिकट बुकिंग की होड़ मच गई है. दिल्ली-पटना, मुंबई-कोटिहार और वाराणसी जैसी व्यस्त रेल लाइनों पर लंबी वेटिंग लिस्ट से बचने के लिए रेलवे द्वारा घोषित 15 स्पेशल ट्रेनों की सेवा के साथ-साथ सही डिजिटल रणनीति अपनाना बेहद जरूरी है.

1. ‘मास्टर लिस्ट’ फ़ैचर से बचाएं कीमती सेकंड जब सुबह 8 बजे तत्काल या एडवांस टिकट बुकिंग की खिड़की खुलती है, तब एक-एक सेकंड की समय सीमा मायने रखती है. आईआरसीटीसी ऐप या वेबसाइट पर लॉगिन करके अपने ‘My Profile’ सेक्शन में जाकर ‘Master List’ पहले ही तैयार कर लें. इसमें यात्रियों के नाम, उम्र, जेंडर और बर्थ प्रेफरेंस (जैसे लोअर या साइड लोअर) को प्री-सेव करके रखा जाता है. बुकिंग विंडो ओपन होते ही डेटा मैन्युअली टाइप करने के बजाय सिर्फ पेसंजर सेलेक्ट करना होता है. इससे फॉर्म भरने का



समय बचता है और टिकट कंफर्म होने के चांस कई गुना बढ़ जाते हैं.

2. एडवांस लॉगिन और प्री-सर्व रूट से बचाएं सर्वर टाइम-पीक आवर्स के दौरान लाखों लोग एक साथ आईआरसीटीसी के सर्वर पर लॉगिन करते हैं, जिससे साइट स्लो होने का डर रहता है. इस स्थिति से निपटने के लिए टिकट बुकिंग खुलने से ठीक 5 मिनट पहले अपने अकाउंट में लॉगिन कर लें. जिस रूट पर यात्रा करनी है, उसका स्टेशन कोड, ट्रेन नंबर और क्लास (Sleeper, xAC या wAC) पहले से स्क्रीन पर सेलेक्ट करके तैयार रखें. समय से पहले लॉगिन रहने से आखिरी वक्त पर होने वाली तकनीकी खराबी और सेशन टाइम-आउट जैसी दिक्कों से बचा जा सकता है.

3. फास्ट पेमेंट मोडस का इस्तेमाल करके बचाएं ट्रांजैक्शन टाइम-अवसर देखा जाता है कि फॉर्म भरने के बाद बैंक के ओटीपी (OTP) का इंतजार करने या डेबिट/क्रेडिट कार्ड के डिटेल्स डालने में काफी समय लग जाता है, और जब तक पेमेंट पूरा होता है तब तक सीटें फुल हो जाती हैं. इससे बचने के लिए सबसे तेज पेमेंट विकल्पों जैसे UPI (Google Pay, PhonePe, Paytm), QR कोड स्कैनर या IRCTC iMudra वॉलेट का उपयोग करें. डिजिटल वॉलेट या यूपीआई ऑटो-पे के जरिए ट्रांजैक्शन बिना किसी रुकावट के तुरंत पूरा होता है, जिससे सीट हाथ से निकलने का जोखिम खत्म हो जाता है.

त्योहारों पर रेलवे का राहत पैकेज: 15 स्पेशल ट्रेनों की सीमांत यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे ने उत्तर और पूर्व भारत के रूट्स पर 15 नई स्पेशल ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है. इनमें मुंबई सेंट्रल-कोटिहार (09189/09190), कानपुर सेंट्रल-गुवाहाटी (04127/04128), कोटिहार-अमृतसर (05736/05735), डिब्रुगढ़-कोलकाता (05932/05931), और आनंद विहार-मुजफ्फरपुर (04028/04027) जैसी प्रमुख ट्रेनें शामिल हैं. यदि नियमित ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट बहुत लंबी हो चुकी है, तो इन स्पेशल ट्रेनों के फेरों में अपनी सीट बुक करके आरामदायक सफ़र का आनंद लिया जा सकता है.

नेत्रदान नेत्रहीनो के लिए वरदान : मौत के बाद भी बांट सकते हो रोशनी, अब मृत्यु के 6 नहीं 12 घंटे तक भी हो सकता है नेत्रदान

मृत्यु के बाद नेत्रदान में कॉनिया दान करना शामिल है, जिससे कॉनिया की वजह से अंधेपन से जूझ रहे लोगों की दृष्टि वापस आ सकती है। मृतक दाता का कॉनिया अंधे लोगों की दृष्टि लौटाने में मदद करता है। यह नेक काम जीवन की विरासत को आगे बढ़ाता है और नेत्रदान के महत्व को बढ़ावा देता है। इससे नेत्र प्राप्त करने वालों के लिए उम्मीद, सम्मान और एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि देहांत के 12 घंटे तक भी नेत्रदान किसी की ज़िंदगी रोशन कर सकता है।

मृत्यु के बाद नेत्रदान की प्रक्रिया

भारत में कॉनिया से जुड़ी अंधापन दृष्टि खोने का एक बड़ा और ठीक हो सकने वाला कारण है, और हर साल इसके हजारों नए मामले सामने आते हैं। फिर भी, संभावित दानदाताओं में से बहुत कम लोगों की ही आंखें अंततः काम में लाई जाती हैं। मृत्यु के बाद नेत्रदान की प्रक्रिया सरल और सम्मानजनक होती है। देहांत होने के बाद सामान्य तौर पर छह घंटे के भीतर नेत्रदान में मिले कॉनिया का प्रत्यारोपण में इस्तेमाल बेहतर होता है। इसलिए छह घंटे के भीतर कॉनिया दान को बढ़ावा दिया जाता है। लेकिन, देहांत के 12 घंटे के बाद भी नेत्रदान से दृष्टिवाहित लोगों की आंखों को रोशनी मिल



सकती है। मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) के गुरुनानक नेत्र केंद्र के डॉक्टरों द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। यह अध्ययन इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्टैल्मोलॉजी में प्रकाशित भी हुआ है।

170 लोगों पर किया गया अध्यन

अस्पताल के डॉक्टरों ने देहांत के बाद 170 लोगों के नेत्रदान से मिले 333 कॉनिया पर यह अध्ययन किया। इसमें 163 डोनर के दोनों आंखों के कॉनिया व सात डोनर के सिर्फ एक-एक कॉनिया का दान हुआ था। इसमें पांच वर्ष से लेकर 102 वर्ष की उम्र तक के डोनर शामिल थे। इनमें से ज्यादातर डोनर की मौत हादसों के कारण

हुई थी और नेत्रदान में करीब 14 घंटा समय लगा। अध्ययन में पाया गया कि देहांत के 12 घंटे से अधिक समय के बाद कॉनिया दान होने पर भी 75.68 प्रतिशत कॉनिया प्रत्यारोपण के योग्य पाया गया और इसका सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया गया। यह राष्ट्रीय स्तर

पर दान में मिले कॉनिया के प्रत्यारोपण में उपयोग से ज्यादा है। सिर्फ 23.32 प्रतिशत कॉनिया प्रत्यारोपण योग्य नहीं था। अध्ययन के मुताबिक, सिर्फ तीन प्रतिशत कॉनिया का संक्रमण के कारण इस्तेमाल नहीं हो पाया। प्रत्यारोपण के नतीजे भी अच्छे रहे।

कैसे निकाली जाती है आंख?

कॉनिया और स्क्लेरा (आँख का सफ़ेद हिस्सा), दोनों का ही प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। आंखें निकालते समय या तो सिर्फ कॉनिया का हिस्सा (कॉनियल बटन) या पूरी आंख निकाली जा सकती है। इससे चेहरे का रूप नहीं बिगड़ता क्योंकि मेडिकल टीम आंख के सॉकेट में एक प्लास्टिक का शेल (खोल) लगा देती है, जिससे चेहरा प्राकृतिक दिखता है। आंखें निकालने की प्रक्रिया सुरक्षित और सम्मानजनक होती है, और इसमें आमतौर पर 12-15 मिनट लगते हैं। दान की गई कॉनिया को प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए सुरक्षित रखा जाता है। इसके बाद डॉक्टर उन्हें दृष्टि वापस पाने का इंतज़ार कर रहे उपयुक्त मरीजों से मिलाते हैं। जो परिवार मृत्यु के बाद नेत्रदान का समर्थन करते हैं, वे एक नेक काम में योगदान देते हैं; वे दृष्टि का अनमोल उपहार देकर सीधे तौर पर लोगों की ज़िंदगी बदलते हैं।

पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड बेस्ट कार्ड है जानें 30000 की लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड कैसे बनेगा

केंद्र सरकार ने रेहड़ी-पटरी और स्ट्रीट वेंडर्स (सड़क किनारे दुकान लगाने वाले) को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (PM SVANidhi) योजना के दायरे को और व्यापक कर दिया है। सरकार ने इस योजना के तहत अब ‘पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड’ की अनूठी सुविधा शुरू की है। यह रुपये (RuPay) प्लेटफॉर्म पर आधारित एक लाइफ्टाइम फ्री क्रेडिट कार्ड है, जिसकी अधिकतम सीमा (Limit) 30,000 रुपये तक तय की गई है।

पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड क्या है?

पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड एक RuPay-बेस्ट कार्ड है जो एक रेगुलर क्रेडिट कार्ड की तरह काम करता है। आप इसका इस्तेमाल रोजमर्रा की चीजें खरीदने, बिल भरने और डिजिटल पेमेंट करने के लिए कर सकते हैं। इसकी शुरुआत Rs. 10,000 की लिमिट से होती है, जिसे बाद में बढ़ाकर Rs. 30,000 कर दिया जाता है।

इस कार्ड का सबसे बड़ा फ़ायदा यह है कि 20 से 50 दिनों के अंदर पेमेंट करने पर कोई ब्याज नहीं लगता है। यह कार्ड 5 साल के लिए वैलिड होता है और UPI से लिंक होता है, जिससे QR कोड स्कैनिंग के जरिए पेमेंट किया जा सकता है।



पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड में 30,000 की लिमिट कैसे मिलती है?

यह क्रेडिट कार्ड विशेष रूप से छोटे दुकानदारों को दैनिक व्यापारिक आवश्यकताओं और आपातकालीन खर्चों के लिए ‘ऑन-डिमांड’ लोन (ऋण) की सुविधा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्रेडिट लिमिट का गणित इस प्रकार काम करता है:

- शुरुआती लिमिट (Initial Limit): कार्ड जारी होने पर शुरुआत में इसकी क्रेडिट लिमिट 10,000 रुपये तय की जाती है।

- 30,000 रुपये की अधिकतम लिमिट: जब लाभार्थी इस कार्ड का उपयोग करता है और समय पर इसके बिल का भुगतान (Satisfactory Usage) करता है तो बैंक द्वारा इसकी लिमिट को धीरे-धीरे बढ़ाकर अधिकतम 30,000 रुपये कर दिया जाता है। इस क्रेडिट कार्ड की मुख्य विशेषताएं और लाभ

यह कार्ड सामान्य वाणिज्यिक क्रेडिट कार्डों से काफी अलग और बेहद किफ़ायती है:

- लाइफ़्टाइम फ्री कार्ड: इस कार्ड को बनवाने के लिए कोई जॉइनिंग फ़ीस, एक्टिवेशन शुल्क या सालाना रिन्युअल फ़ीस नहीं देनी होती। यह पूरी तरह निशुल्क है।

- ब्याज मुक्त अवधि: कार्ड धारकों को ट्रांजैक्शन की तारीख से 20 से 50 दिनों तक की ब्याज मुक्त अवधि मिलती है।
- यूपीआई लिंकेज: चूंकि यह रुपये (RuPay) नेटवर्क पर आधारित है, इसलिए इसे भीम (BHIM) या अन्य यूपीआई ऐप्स से लिंक किया जा सकता है। इसके बाद रेहड़ी-पटरी वाले सीधे क्यूआर कोड स्कैन करके भी

इस लिमिट से भुगतान कर सकते हैं।

महिलाओं के लिए ये 5 स्कूटी हैं बेस्ट: हल्की बॉडी, स्टाइलिश लुक और शानदार माइलेज

स्कूल, कॉलेज, ऑफिस जाना हो या रोजमर्रा के छोटे-मोटे काम, महिलाओं के लिए एक सही स्कूटी का होना बहुत जरूरी है. अक्सर महिलाएं ऐसी स्कूटी की तलाश में रहती हैं जो वजन में हल्की हो, ट्रैफ़िक में संभालने में आसान हो, दिखने में स्टाइलिश हो और माइलेज भी शानदार हो.

अगर आप भी अपने लिए या परिवार की किसी महिला के लिए एक परफेक्ट स्कूटी की तलाश में हैं, तो ये 5 बेहतरीन विकल्प आपकी जरूरत पूरी कर सकते हैं:

Hero Pleasure Plus: हल्की और चलाने में आसान

यह स्कूटी खास तौर पर उन महिलाओं के लिए बेहतरीन है जिन्हें हल्की और कॉम्पैक्ट स्कूटी चाहिए. इसका डिज़ाइन काफी यूथफुल है, जो कॉलेज या ऑफिस जाने वाली लड़कियों को खूब पसंद आता है.

इंजन और पावर: 110.9cc इंजन (8.15 PS पावर)

वजन: 102-104 किलो (संभालने में बेहद आसान)

माइलेज: लगभग 52.1 किमी/लीटर

हीरो प्लेजर प्लस

Suzuki Access 125: पावर और आराम का बेहतरीन कॉम्बो

अगर आपको सिर्फ माइलेज ही नहीं, बल्कि तेज पिकअप और आरामदायक सफ़र भी चाहिए, तो एक्ससेस 125 एक शानदार विकल्प है. यह शहर की भीड़भाड़ के साथ-साथ थोड़ी लंबी दूरी



के लिए भी एकदम परफेक्ट है.

इंजन और पावर: 124cc इंजन (8.42 PS पावर, 10.2 Nm टॉर्क)

वजन: 106 किलो

खासियत: अपनी मजबूत परफॉमेंस और बेहतरीन राइड क्वालिटी के लिए मशहूर.

सुजुकी एक्ससेस 125

सुजुकी एक्ससेस 125

Honda Activa: वर्षों का भरोसा और प्रैक्टिकल विकल्प

होंडा एक्टिवा भारतीय बाजार में लंबे समय से महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई है. कम मेंटेनेंस और आसान राइडिंग की वजह से इसे हर घर की जरूरत माना जाता है.

इंजन: 109.51cc

वजन: 106 किलो

माइलेज: लगभग 59.5 किमी/लीटर

खासियत: शानदार माइलेज और रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए सबसे भरोसेमंद.

होंडा एक्टिवा

TVS Jupiter: ज्यादा माइलेज और बड़ा बूट स्पेस

स्कूटी में सामान रखने की दिक्कत अक्सर होती है. अगर आप ऑफिस जाती हैं और आपको बैग, हेलमेट या टिफिन रखने के लिए ज्यादा जगह चाहिए, तो ज़ुपिटर सबसे अच्छा विकल्प है.

माइलेज: 113.3cc मॉडल में लगभग 61.2 किमी/लीटर का शानदार माइलेज.

स्टोरेज: इसके 125cc वाले बैरिएर में 33 लीटर का बड़ा बूट स्पेस मिलता है (इसमें दो हेलमेट आसानी से आ जाते हैं).

टीवीएस ज़ुपिटर

टीवीएस ज़ुपिटर

Yamaha Fascino 125: सबसे हल्की और बेहद स्टाइलिश

अगर आपकी पहली पसंद बेहतरीन लुक, प्रीमियम स्टाइल और हल्की बॉडी है, तो फैसिनो आपको जरूर पसंद आएगी. यह इस लिस्ट की सबसे हल्की स्कूटी है.

इंजन और पावर: 125cc इंजन (8.2 PS पावर)

वजन: मात्र 98 किलो

खासियत: वजन कम होने की वजह से इसे किसी भी ट्रैफ़िक में मोड़ना और संभालना बेहद आसान है.

यामाहा फैसिनो 125

यामाहा फैसिनो 125

किसे कौन सी स्कूटी खरीदने चाहिए?

अच्छे माइलेज के लिए: Honda Activa

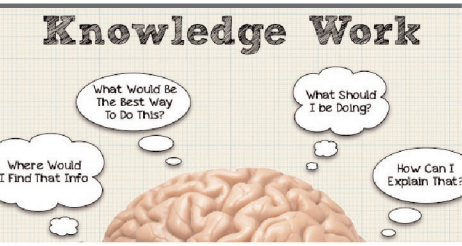
और TVS Jupiter एक अच्छा विकल्प हो सकता है.

हल्के वजन के लिए: Yamaha Fascino 125

Fi Hybrid और Hero Pleasure



पूरब टाइम्स





लंग कैंसर यानी फेफ़्छों का कैंसर अब सिर्फ़बुजुर्गों तक ही सीमित नहीं रहा है। भारत में अब 50 साल से कम उम्र के लोग भी इस बीमारी से प्रभावित हो रहे हैं। लंग कैंसर फ़उडेशन ऑफ़इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 21ब्र लंग कैंसर के मरीज 50 साल से कम उम्र के हैं। इनमें से कुछ की उम्र तो 30 साल से भी कम है। यह आँकड़ा काफी चिंताजनक है क्योंकि पहले लंग कैंसर को बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था।

लंग कैंसर से बचाव के लिए सावधानी जरूरी

लंग कैंसर एक गंभीर बीमारी है लेकिन अगर इसके लक्षण समय पर पहचान लिए जाएं और जीवनशैली को बेहतर बनाया जाए तो इससे बचा जा सकता है। खासतौर पर युवाओं को अब ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि यह

क्या कारण है? 50 साल से कम उम्र के लोगों में 21% लंग कैंसर के मरीज है

बीमारी अब उम्र के आधार पर नहीं आती। साफ़ हवा, सही खानपान और स्वस्थ जीवनशैली फेफ़्छों को सुरक्षित रखने में मदद कर सकती है।

लंग कैंसर बढ़ने के मुख्य कारण

इस बीमारी के बढ़ते मामलों के पीछे सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण माना जा रहा है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) के अनुसार, दुनिया की 91% आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां हवा (WHO के तय मानकों से भी ज्यादा खराब होती है। इस गंदी हवा में मौजूद पीएम 2.5 जैसे छोटे-छोटे कण सीधे फेफ़्छों में जाकर नुकसान पहुंचाते हैं। ये कण पावर प्लांट, वाहनों का धुआं, फैक्ट्रियों और कूड़ा जलाने से निकलते हैं।

वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप 20 मिलीग्राम पीएम 2.5 वाली हवा सांस ले रहे हैं, तो इसका असर एक सिगरेट पीने जैसा होता है।और अगर ये मात्रा 200 मिलीग्राम हो तो यह 10 सिगरेट पीने जितना नुकसान पहुंचाता है।



धूम्रपान और पैसिव स्मोकिंग का खतरा

प्रदूषण के अलावा धूम्रपान, पैसिव स्मोकिंग (दूसरों के सिगरेट के धुएँ का असर), लकड़ी या कोयले पर खाना पकाना, रसायनों के संपर्क में आना और कमजोर इम्यून सिस्टम भी लंग कैंसर के कारण होते हैं। खासकर शहरों में

जहां प्रदूषण ज्यादा होता है, लंग कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। धूम्रपान न करने वाले लोग सोचते हैं कि उन्हें लंग कैंसर नहीं होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। पैसिव स्मोकिंग भी उतनी ही खतरनाक होती है। जब कोई सिगरेट पीता है तो उसका धुआं पास बैठे दूसरे व्यक्ति के फेफ़्छों को भी नुकसान पहुंचाता है।

बच्चों के लिए पैसिव स्मोकिंग और भी ज्यादा खतरनाक होती है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है। ऐसे बच्चे अस्थमा, निमोनिया, खांसी और यहां तक कि लंग कैंसर का शिकार हो सकते हैं।

लंग कैंसर के शुरुआती लक्षण

लंग कैंसर की पहचान जल्द करना बहुत जरूरी होता है। लेकिन इसके शुरुआती लक्षण आम बीमारियों जैसे लगते हैं, इसलिए लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लगातार खांसी होना, खांसी में खून आना, आवाज का बदलना या भारीपन महसूस होना, सांस फूलना, थकान लगना और बिना वजह वजन कम होना ये सभी लंग कैंसर के संकेत हो सकते हैं।

अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत डॉक्टर से जांच करानी चाहिए।

लंग कैंसर से बचाव के आसान उपाय

लंग कैंसर से बचने के लिए अपने आस-पास के माहौल और अपनी जीवनशैली में बदलाव लाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तो धूम्रपान और तंबाकू का सेवन पूरी तरह बंद कर दें। यदि घर में कोई धूम्रपान करता है, तो बच्चों को उससे दूर रखें। अपने खाने में ताजे फल और हरी सब्जियां शामिल करें, ताकि आपकी इम्युनिटी मजबूत हो सके। नियमित रूप से सांस से जुड़ी एक्ससाइज करें। प्रदूषित इलाकों में बाहर निकलते वक्त मास्क या स्कार्फ का इस्तेमाल करें। घर में एयर प्यूरीफायर लगाना भी फेफ़्छों के लिए बहुत फ़ायदेमंद होता है।

आज लंग कैंसर सिर्फ़बुजुर्गों की बीमारी नहीं रही। युवाओं को भी इसे लेकर जागरूक रहना होगा। प्रदूषण और धूम्रपान से बचाव, सही खानपान और स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर हम इस बीमारी से काफी हद तक बच सकते हैं।

जायका

बेहद स्वादिष्ट झटपट तैयार होने वाला क्रीमी भुट्टा ट्राय करें शाम की चाय के साथ

शाम की चाय हो और साथ में कुछ चटपटा खाने को मिल जाए, तो मज़ा ही आ जाता है। अगर आप हर बार पकौड़े या बिरिकट खाते-खाते बोर हो गए हैं, तो इस बार कुछ नया ट्राय कीजिए **ङ्क़ क्रीमी भुट्टा!** ये एक आसान, झटपट बनने वाली और बेहद स्वादिष्ट डिश है, जिसे आप शाम की चाय के साथ या हल्की भूख में बना सकते हैं। इसमें मक्खन, क्रीम, चीज़ और कुछ मसाले मिलाकर ऐसा जायका तैयार होता है कि बच्चे हों या बड़े सब उंगलियां चाटते रह जाएं!

सामग्री (2-3 लोगों के लिए)
उबला हुआ भुट्टा (मर्कई के दाने)- 1 कप (या 2 भुट्टों के दाने)
मक्खन - 1 बड़ा चम्मच
मैदा- 1 छोटा चम्मच
दूध- 1 कप
काली मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
नमक स्वाद अनुसार
चीज़ (चेट की हुई)- 2 बड़े चम्मच
उबला प्याज़ (वैकल्पिक)- 1 छोटा चम्मच (बारीक कटा)
लाल मिर्च पत्तेवस- सजावट के लिए



हरा धनिया- सजावट के लिए

बनाने की विधि

- अगर आपके पास कच्चे भुट्टे हैं तो उन्हें उबालकर दाने निकाल लें। आप चाहें तो बाज़ार में मिलने वाले फ़्रेज़न कॉर्न भी इस्तेमाल कर सकते हैं। एक नॉनस्टिक कड़ाही में मक्खन डालें और उसे मध्यम आंच पर पिघलने दें।
- अब इसमें मैदा डालें और 1-2 मिनट तक भूनें ताकि कच्चा स्वाद न रहे। धीरे-धीरे दूध डालते जाएं और लगातार चलाते रहें ताकि गाढ़े न बनें। ये एक हल्का गाढ़ा सफ़ेद सॉस बन जाएगा।

- अब इसमें उबले हुए भुट्टे के दाने डालें। साथ ही नमक, काली मिर्च और अगर चाहें तो बारीक कटा प्याज़ भी मिला दें। अंत में कढ़ीकस किया हुआ चीज़ डालें और 2 मिनट तक पकाएं जब तक चीज़ पिघल न जाए और सब कुछ अच्छे से मिल न जाए। गरमागरम क्रीमी भुट्टा को एक बाउल में निकालें, ऊपर से थोड़े लाल मिर्च पत्तेवस और हरा धनिया छिड़कें। चाहें तो नींबू का रस भी हल्का सा डाल सकते हैं। तो इस शाम चाय के साथ कुछ नया बनाइए **क्रीमी भुट्टा**, जो हर बाइट में देगा आपको **क्रीमी** क़च का मजेदार स्वाद!

तुलसी देगी नेचुरल ग्लो, जानें सेवन का सही तरीका

आयुर्वेद में तुलसी को त्वचा, इम्युनिटी और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी माना गया है। खास बात यह है कि तुलसी का सही तरीके से सेवन करने पर मुंहासों, दाग-धब्बों और ऑयली स्किन की समस्या से राहत मिल सकती है और चेहरे पर नेचुरल चमक आती है। तुलसी में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण त्वचा को अंदर से साफ करने में मदद करते हैं। यही वजह है कि तुलसी को प्राकृतिक ब्यूटी ट्रीटमेंट भी कहा जाता है।
त्वचा के लिए क्यों फ़ायदेमंद है तुलसी?
तुलसी रक्त को शुद्ध करने का काम करती है। जब खून साफ़होता है, तो त्वचा से जुड़ी समस्याएं अपने आप कम होने लगती हैं। तुलसी त्वचा के अंदर मौजूद बैक्टीरिया को खत्म करती है, सुजन को कम करती है और नए मुंहासों को बनने से रोकती है। नियमित सेवन से स्किन हेल्दी, विलयर और चमकदार बनती है।
तुलसी का पानी पीने के फ़ायदे
विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना तुलसी वाला पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। इससे खून साफ़होता है और मुंहासों की समस्या धीरे-धीरे कम होने लगती है।
कैसे बनाएं तुलसी का पानी?
रात में 5-7 ताजे तुलसी के पत्ते एक गिलास साफ़पानी में डाल दें, सुबह खाली पेट यह पानी पिएं, यह उपाय न केवल पिंपल्स को कम करता है, बल्कि चेहरे पर नेचुरल ग्लो भी लाता है।



तुलसी फेस पैक से पाएं साफ़और बेदाग त्वचा
तुलसी का फेस पैक मुंहासों और दाग-धब्बों के लिए बेहद असरदार घरेलू उपाय है।
इस्तेमाल का तरीका-8- 10 ताजे तुलसी के पत्तों को पीस लें, इसमें मुलतानी मिट्टी या शहद मिलाएं
इस पेस्ट को चेहरे पर 15- 20 मिनट लगाकर धो लें
यह फेस पैक ऑयली स्किन को कंट्रोल करता है, पिंपल्स को सुख़ाता है और त्वचा में निखार लाता है।
हफ्ते में 2-3 बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।
तुलसी की चाय भी है फ़ायदेमंद-तुलसी की चाय न सिर्फ़ स्वाद में अच्छी होती है, बल्कि तनाव को कम करने में भी मदद करती है। तनाव से होने वाले मुंहासों पर तुलसी चाय खास असर दिखाती है।
कैसे बनाएं तुलसी की चाय?-4-5 तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें
स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं
इसके अलावा सुबह 2-3 ताजे तुलसी के पत्ते चबाना भी त्वचा के लिए लाभकारी माना जाता है।
इन बातों का भी रखें ध्यान
त्वचा की साफ़-सफ़ई का ध्यान रखें, संतुलित आहार लें और खूब पानी पिएं
बहुत ज्यादा तला-भुना और जंक फूड न खाएं
अगर मुंहासे बहुत ज्यादा या गंभीर हैं, तो घरेलू उपायों के साथ-साथ आयुर्वेदिक या त्वचा विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

क्या आपने कभी अपने हाथों और नाखूनों को ध्यान से देखा है? भारतीय परंपरा में सामुद्रिक शास्त्र को शरीर-पटन की एक महत्वपूर्ण विधा माना गया है, जिसमें हाथों, उंगलियों और नाखूनों के संकेतों से व्यक्ति के स्वभाव, सोच और भाग्य का आकलन किया जाता है। मान्यता है कि उंगलियों की लंबाई, बनावट और नाखूनों पर दिखने वाले छोटे-छोटे निशान जीवन में आने वाले अवसरों और चुनौतियों के संकेत दे सकते हैं। इस विषय पर जानकारी दे रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

तर्जनी और मध्यमा: नेतृत्व और जिम्मेदारी के संकेत
तर्जनी अगर मध्यमा के बराबर या उससे लंबी हो, तो व्यक्ति नेतृत्वप्रिय और महत्वाकांक्षी माना जाता है। छोटी तर्जनी शांत स्वभाव का संकेत देती है, लेकिन ऐसे लोग जिम्मेदारी लेने में झिझक सकते हैं।
मध्यमा लंबी हो तो व्यक्ति गंभीर, अनुशासित और विचारशील माना जाता है। छोटी मध्यमा जल्दबाजी और अस्थिरता की ओर इशारा करती है।

का संबंध-परंपरागत



मान्यताओं के अनुसार हर उंगली का संबंध किसी न किसी ग्रह से होता है।
तर्जनी: गुरु (ज्ञान, महत्वाकांक्षा)
मध्यमा: शनि (अनुशासन, जिम्मेदारी)
अनामिका: सूर्य (यश, प्रसिद्धि)
कनिष्ठा: बुध (बुद्धि, संवाद)
अनामिका और कनिष्ठा: कला, प्रसिद्धि और बुद्धि
अनामिका लंबी हो तो व्यक्ति रचनात्मक, कला या लेखन में रुचि रखने वाला माना जाता है। बहुत लंबी अनामिका धन और प्रतिष्ठा की चाह दर्शाती है।

कनिष्ठा लंबी हो तो संवाद क्षमता और चतुराई का संकेत मानी जाती है। छोटी कनिष्ठा

आत्मविश्वास की कमी और कामकाज में बाधाओं से जूझी जाती है।
नाखूनों पर सफेद और काले दाग क्या बताते हैं?
सामुद्रिक शास्त्र में नाखूनों पर दिखने वाले दाग भी संकेत माने जाते हैं
तर्जनी पर सफेद दाग: सम्मान या उपलब्धि
तर्जनी पर काला दाग: पहचान में रुकावट
मध्यमा पर सफेद दाग: यात्रा या नया अवसर
मध्यमा पर काला दाग: चिंता या भय
अनामिका पर सफेद दाग: सामाजिक सम्मान

कनिष्ठा पर सफेद दाग: विश्वास और लाभ
काले दाग: कामकाज में हानि या आलोचना।
अंगुठा और निजी जीवन
अंगुठा इच्छा-शक्ति और संबंधों का प्रतीक माना जाता है।
अंगुठे के नाखून पर सफेद दाग प्रेम और भावनात्मक संतोष का संकेत है।
काला निशान रिशतों या करियर में चुनौतियों की ओर इशारा कर सकता है।
नोट: विशेषज्ञों का कहना है कि नाखूनों पर दिखने वाले दाग स्वास्थ्य, पोषण या मिनरल की कमी के कारण भी हो सकते हैं। इसलिए इन्हें केवल भाग्य से जोड़कर देखना सही नहीं है।

झारखंड का मैथन डैम, प्रकृति इंजीनियरिंग और पर्यटन का अद्भुत संगम

मैथन डैम, झारखंड के धनबाद जिले में स्थित एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, इंजीनियरिंग कौशल और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यह डैम बराक नदी पर स्थित है और झारखंड तथा पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित है।

ऐतिहासिक और तकनीकी विशेषताएँ

निर्माण और उद्देश्य : मैथन डैम का निर्माण 1953 से 1957 के बीच हुआ था और इसका उद्देश्य बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई और विद्युत उत्पादन था। यह डैम भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के स्वप्नों में से एक था।

आकार और क्षमता: डैम की लंबाई लगभग 4,789 मीटर और ऊँचाई 50 मीटर है। इसका जलाशय 65 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है, जो मैथन झील के नाम से जाना जाता है। विद्युत उत्पादन : मैथन डैम में एशिया का पहला भूमिगत जलविद्युत संयंत्र स्थित है, जो 60

मेगावाट की क्षमता से बिजली उत्पन्न करता है।

पर्यटन आकर्षण

मैथन झील : झील की शांत जलराशि और हरे-भरे परिवेश इसे नौका विहार, मछली पकड़ने और पक्षी अवलोकन के लिए आदर्श बनाते हैं। डियर पार्क : डैम के पास स्थित डियर पार्क में पर्यटक हिरणों को प्राकृतिक वातावरण में देख सकते हैं।

कल्याणेश्वरी मंदिर: डैम से लगभग 6 किलोमीटर दूर स्थित यह मंदिर माँ काली को समर्पित है और धार्मिक आस्था का केंद्र है।

पिकनिक और फोटोग्राफी: मैथन डैम का सुंदर परिदृश्य इसे पिकनिक और फोटोग्राफी के लिए



उपयुक्त स्थान बनाता है, विशेषकर सूर्यास्त के समय।

कैसे पहुँचें

सड़क मार्ग: मैथन डैम, धनबाद से लगभग 48

किलोमीटर और आसनसोल से 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

रेल मार्ग: निकटतम रेलवे स्टेशन बराक है, जो डैम से लगभग 8 किलोमीटर दूर है। **वायु मार्ग:** निकटतम हवाई अड्डा रांची में स्थित है,

जो डैम से लगभग 194 किलोमीटर दूर है।

यात्रा का सर्वोत्तम समय

मैथन डैम की यात्रा के लिए अक्टूबर से मार्च का समय सबसे उपयुक्त है, जब मौसम सुखद और

अमीषा पटेल और हार्दिक पांड्या की डेटिंग रूमर्स सोशल मीडिया पर छाई अब एक्ट्रेस ने किया रिप्लट कहा - दोस्त और गर्लफ्रेंड में क्या फर्क होता है.



बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल और क्रिकेटर हार्दिक पांड्या मुंबई के ताज महल पैलेस में एक साथ स्पॉट किए गए. सोशल मीडिया पर दोनों स्टार्स का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें गवर अभिनेत्री अपने दोस्तों से क्रिकेटर को मिलवाती दिखी. इसी दौरान एक यूजर ने नोटिस किया कि अमीषा ने हार्दिक के कंधे पर हाथ भी रखा था. फिर क्या था स्टार्स की डेटिंग रूमर्स ने जोर पकड़ किया.

हार्दिक पांड्या संग डेटिंग रूमर्स पर क्या बोली अमीषा पटेल

अब अमीषा पटेल ने उस नेटिजन्स को कारारा जवाब दिया है, जो उनके और हार्दिक पांड्या के डेटिंग न्यूज को फैला रहा था. अमीषा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर उस वीडियो का एक स्क्रीनशॉट लगाया, जिसमें लिखा था, ‘बेंगलुरु के एक होटल में पार्टी के दौरान जिस तरह अमीषा पटेल ने हार्दिक पांड्या के कंधे पर हाथ रखा, उसे देखकर लग रहा है कि रेंडिट पर चल रही डेटिंग रूमर्स सच है.’

अमीषा पटेल का इंस्टाग्राम स्टोरी

अमीषा पटेल ने फ़िर लिखा, "बिल्कुल सही कहा... हे भगवान, तुम सही हो... जिस तरह से मेरा हाथ उस पर

था, वह वाकई रोमांटिक था." उन्होंने आगे लिखा, "मैं तुम्हें नहीं जानती, लेकिन यकीन मानिए... तुम्हारी दोस्त की तरह कोई फ़ीमेल भी नहीं है. अब समय आ गया है कि तुम किसी गर्लफ़्रेंड को पटा दो, तभी ऐसी बातों पर पोस्ट करो."

माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं हार्दिक पांड्या

हार्दिक पांड्या इन दिनों मॉडल माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं. नताशा स्टैनकोविक से अलग होने के दो साल बाद स्टार ऑलराउंडर ने माहिका को अपनी लाइफ़ की नई स्पेशल पर्सन के तौर पर इंट्रोड्यूस किया था. 10 अक्टूबर 2025 को हार्दिक ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर माहिका के साथ बीच की एक तस्वीर शेयर की थीय इसी पोस्ट के जरिए दोनों ने अपने रिश्ते को इंस्टा ऑफिशियल कर दिया था.

अमीषा पटेल का वर्कफ्रंट

साल 2023 में अमीषा पटेल ने सनी देओल के साथ गदर 2 के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी की और फ़िक्स ने बॉक्स ऑफ़िस पर इतिहास रच दिया. इस सीक़ल में उत्कर्ष शर्मा, सिमरत कौर, मनोष वाधवा और गौरव चोपड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आए थे. वहीं, मई में अमीषा पटेल ने कन्फ़र्म किया था कि गदर 3 पर भी काम चल रहा है.

बिग बॉस 20’ के ग्रैंड प्रीमियर के साथ ही इस रियलिटी शो के 20 साल पूरे होने का जश्न भी धूमधाम से मनाया गया।

भारतीय टेलीविजन का सबसे बड़ा और विवादित रियलिटी शो ‘बिग बॉस’ अपने 20वें सीजन के साथ वापस आ गया है। ‘बिग बॉस 20’ के ग्रैंड प्रीमियर के साथ ही इस रियलिटी शो के 20 साल पूरे होने का जश्न भी धूमधाम से मनाया गया। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने एक बार फ़िर होस्ट के रूप में कमान संभाली और अपने 38 साल के करियर के 20 सुपरहिट गानों पर शानदार डॉस परफ़ॉर्मेंस देकर शो का आगाज़ किया। इस बार शो का अनुभव बिल्कुल अलग और रोमांचक होने वाला है, क्योंकि मेकर्स ने नया ट्विस्ट पेश करते हुए अनोखी ‘तथास्तु’ थीम और ‘जीवन दान’ का कॉन्सेप्ट पेश किया है। नए सीजन में अनोखी ‘तथास्तु’ थीम और ‘जीवन दान’ का ट्विस्ट भी पेश किया गया, जिससे बिग बॉस का अनुभव बिल्कुल अलग होने वाला है। प्रीमियर में कई परफ़ॉर्मेंस और खास मेहमान शामिल हुए, जिनमें कनिका मान, आम्रपाली दुबे, यंग डीएसए , उदिति सिंह और माही विज ने स्टेज पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। मनोज

तिवारी अपनी बेटी और कंटेस्टेंट रीति तिवारी का समर्थन करने के लिए सलमान के साथ शामिल हुए, जबकि दिनेश लाल यादव उर्फ़ निरहुआ आम्रपाली दुबे का हौसला बढ़ाने के लिए आए। कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में एक और दिलचस्प नाम ‘फेंस का फेंसला’ के जरिए जुड़ा ; लव गिल ने दर्शकों के सबसे ज्यादा वोट हासिल करकेबिग बॉस हाउस में अपनी जगह बनाई। इस सीजन में एंटरटेनमेंट, स्पोर्ट्स, सोशल मीडिया और डिजिटल दुनिया जैसे अलग-अलग क्षेत्रों से 17 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं। इस लिस्ट में एमसी मैरी कॉम, आम्रपाली दुबे, उदिति सिंह, अरिशफ़ खान, अमन गांधी, काजी अहमद तौकीर, हर्ष मचारे उर्फ़ यंग डीएसए, कुशल तंवर उर्फ़ गुल्लू, रिया यादव, लव गिल, रोहेद खान, ईशा रिखी, माही विज, आसिफ़खान, रीति तिवारी, कनिका मान और तन्मय सिंह उर्फ़ स्काउटॉप शामिल हैं। एक ही छत के नीचे इतनी अलग-अलग तरह की पर्सनेलिटीज़ के साथ, यह नया सीजन कई अलग-अलग स्वभाव वाले लोगों, अप्रत्याशित



बिग बॉस 13 फेम आसिम रियाज ने सोशल मीडिया पर सलमान खान के शो बिग बॉस 20 को फ्लॉप बताते हुए तंज कसा

बिग बॉस 13’ से अपनी पहचान बनाने वाले आसिम रियाज एक बार फ़िर चर्चा में हैं। इस बार उन्होंने सलमान खान के शो ‘बिग बॉस 20’ को लेकर ऐसा कमेंट किया, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। आसिम ने शो के नए सीजन को लेकर तंज कसते हुए इसे फ्लॉप बताया है।

आसिम रियाज ने क्या लिखा?

आसिम रियाज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, "एक और फ्लॉप सीजन लोड हो रहा है।" इस पोस्ट के जरिए उन्होंने सीधे तौर पर ‘बिग बॉस 20’ पर निशाना साधा। हालांकि, पोस्ट वायरल होने के बाद आसिम ने इसे डिलीट कर दिया।

लेकिन पोस्ट डिलीट करने के बावजूद उनका कमेंट सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। यूजर्स ने आसिम के इस बयान पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दीं। एक यूजर ने लिखा, "भाई जागा और उसने तथ्य बोलने का फैसला किया।" वहीं दूसरे यूजर ने कमेंट किया, "अरे भाई इतना सच नहीं कहना होता है।"

आसिम रियाज पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ समय पहले वह अपनी एक्स गर्लफ़्रेंड और ‘बिग बॉस’ फेम हिमांशी खुराना के साथ ब्रेकअप को लेकर चर्चा में थे। हिमांशी के कुछ दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए आसिम ने कहा था कि उन्होंने किसी का जबरन धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश नहीं की।

इसके बाद आसिम रियाज ने पारस छाबड़ा पर भी निशाना साधा था। वहीं, बाद में उनका नाम विशाल आदित्य सिंह के साथ विवाद को लेकर भी सामने आया। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर जमकर बयानबाजी हुई और उन्होंने पोस्ट के जरिए एक-दूसरे पर तंज कसे।

बिग बॉस 20 पर आसिम के कमेंट की चर्चा

आसिम रियाज खुद ‘बिग बॉस’ के सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में से एक रहे हैं। ऐसे में ‘बिग बॉस 20’ को लेकर उनका यह कमेंट सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान खींच रहा है। अब देखना होगा कि शो का नया सीजन शुरू होने के बाद दर्शकों का रिस्रॉन्स कैसा रहता है।



चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी देखने 12,000 प्रशंसक

चेन्नई, छह सितंबर ‘वैभव भाई, वैभव जी, वैभव।’ जैसे ही सूर्यवंशी प्रशंसकों का अभिवादन करने के लिए बाउंड्री के पास पहुंचे तो शोर आपने चरम पर पहुंच गया। प्रशंसक रविवार सुबह से ही इस उभरते क्रिकेट सितारे की एक झलक पाने के लिए इंतजार कर रहे थे। तमिलनाडु क्रिकेट संघ ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम चेपक में दक्षिण क्षेत्र और पूर्व क्षेत्र के बीच खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी फइनल के लिए सी, डी और ई ब्लॉक के निचले स्टैंड दर्शकों के लिए मुफ्त में खोल दिए थे।

लेकिन शायद उसे यह उम्मीद नहीं थी कि करीब 12,000 दर्शक इन स्टैंड को भरने के लिए उमड़ पड़ेंगे। घरेलू क्रिकेट में ऐसा नजारा इन दिनों दुर्लभ है और अवसर इसकी यादें 1980 और 1990 के दशक तक ही सीमित रह गई हैं। आखिरी बार ऐसा जुनून 30 जनवरी 2025 को देखने को मिला था जब विराट कोहली 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी मैच में दिल्ली की ओर से खेलने उतरे थे।

इससे पहले 2013 में लाहली में मुंबई और हरियाणा के बीच सचिन तेंदुलकर के आखिरी प्रथम श्रेणी मैच में उनकी एक झलक पाने के लिए करीब 15,000 प्रशंसक पहुंचे थे। सूर्यवंशी बल्लेबाजी में अभी उस ऊंचाई तक नहीं पहुंचे हैं जिसे इन दोनों दिग्गजों ने अपने शानदार करियर में हासिल किया है लेकिन आईपीएल 2026 में विस्फोटक प्रदर्शन ने इस 15 वर्षीय खिलाड़ी को भारतीय क्रिकेट में उस तरह की लोकप्रियता दिलाई है जो युनिटा खिलाड़ियों को ही नसीब हुई है। इंग्लैंड के जोस बटलर जैसे खिलाड़ी का मानना है कि सूर्यवंशी टी20 के सभी रिकॉर्ड तोड़ने के लिए बने हैं जबकि कृष्णमाचारी श्रीकांत को लगता है कि बिहार का यह युवा खिलाड़ी निकट भविष्य में



टेस्ट क्रिकेट में नई जान फूंक सकता है।

पूर्व क्षेत्र के कप्तान इशान किशन के लिए सूर्यवंशी ‘15 साल के लड़के के लिहाज से बेहद समझदार’ हैं और उन्हें अपनी जिंदगी तथा करियर की बारीकियों की पहलें से ही अच्छी समझ है। हालांकि उनके शांत और संयमित व्यक्तित्व के पीछे अब भी एक शरारती बचपन छिपा है। इसकी झलक तब देखने को मिली जब उन्होंने भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के एक ओवर में छक्का और दो चौके जड़ दिए। इतिहासकिताबें खोजें

यदि आपके खिलाफ को फेक केस या F.I.R. करे तो जानिए कि आप उससे से कैसे बचें?

यदि व्यक्तिगत ख़ुन्नस या संस्थागत रंजिश के चले आपके खिलाफकोई भी व्यक्ति झूठी यानी फेक केस या F.I.R. दर्ज करवाता है तो उससे से कैसे बचे? इस बारे में वर्ष 2026 में क्या क्या आपनू हैं और इसके दृष्टिगत आपके क्या क्या अधिकार हैं, यह आपको अवश्य जानना, समझना चाहिए।

पहला, यदि झूठी शिकायत की आशंका हो तो क्या करें?

यदि झूठी शिकायत की आशंका हो तो आप निम्नलिखित दो कदम उठाएँ- (अ) सबूत पहले से सुरक्षित रखें: फोन कॉल रिकॉर्ड (जहां कानूनी रूप से अनुमत हो।) व्हाट्सएप चैट, ईमेल, SMS, CCTV फुटेज, यात्रा, लोकेशन या उपस्थिति के रिकॉर्ड, बैंक लेन-देन के दस्तावेज आदि झूठे मामलों में अवसर यही सबूत बाद में सबसे मजबूत रक्षा बनते हैं। और, (ब) विवाद को लिखित रूप में रखें: यदि किसी व्यक्ति से विवाद चल रहा है और वह झूठे मुकदमे की धमकी दे रहा है, तो उसके संदेश, ऑडियो, ईमेल आदि सुरक्षित रखें।

दूसरा, FIR दर्ज हो जाए तो घबराएं नहीं

FIR दर्ज होना दोषी साबित होना नहीं है। भारत में अभियोजन पक्ष को अदालत में आरोप सिद्ध करने होते हैं। केवल FIR के आधार पर किसी को अपराधी नहीं माना जा सकता। इतिहास

तीसरा, गिरफ्तारी से बचने का सबसे बड़ा अधिकार: अग्रिम जमानत

यदि आपको लगता है कि किसी गैर-जमानती अपराध में फंसाया जा सकता है, तो आप अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2026 में यह अधिकार भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 482 में है, जिसने पुराने CrPC की धारा 438 का स्थान लिया है। इसके तहत अदालत यह आदेश दे सकती है कि गिरफ्तारी होने पर आपको तुरंत जमानत पर छोड़ दिया जाए।

चौथा, पुलिस पूछाछ के दौरान आपके अधिकार

भारतीय संविधान के अनुसार: आपको अपने खिलाफस्वयं गवाही देने के



लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। वकील की सहायता लेने का अधिकार है। गिरफ्तारी का कारण बताया जाना चाहिए। परिवार या मित्र को सूचना देने का अधिकार है। ये अधिकार व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े हैं।

पांचवां, FIR झूठी साबित हो जाए तो क्या करें? यदि जांच या अदालत में मामला झूठा निकलता है, तो आप झूठी शिकायत करने वाले के खिलाफ कानूनी

कार्रवाई कर सकते हैं। मानहानि का दावा कर सकते हैं। दुर्भावनापूर्ण अभियोजन (Malicious Prosecution) के आधार पर राहत मांग सकते हैं। कुछ परिस्थितियों में पुलिस या न्यायालय के समक्ष प्रतिवाद प्रस्तुत कर सकते हैं।

छठा, हाई कोर्ट से FIR रद्द (Quash) कराने का अधिकार यदि FIR में लगाए गए आरोप पहली नजर में ही अपराध नहीं बनाते, या मामला स्पष्ट रूप से दुर्भावनापूर्ण प्रतीत होता है, तो संबंधित उच्च न्यायालय से FIR रद्द कराने (quashing) की मांग की जा सकती है। कई मामलों में अदालतें ऐसी राहत देती रही हैं।

सातवां, Zero FIR क्या है? आज किसी भी थाने में Zero FIR दर्ज कराई जा सकती है, भले ही घटना उस थाने के क्षेत्राधिकार में न हुई हो। और बाद में मामला संबंधित थाने को भेजा जाता है। इसलिए केवल यह तर्क कि "घटना यहां नहीं हुई" FIR दर्ज होने से नहीं रोकता।

आठवां, जानिए किन मामलों में विशेष सावधानी रखें? अनुभव बताता है कि निम्न प्रकार के मामलों में आरोप लगते ही कानूनी सलाह लेना उचित होता है: यथा- दहेज/वैवाहिक विवाद, यौन अपराध संबंधी आरोप, SC/ST अत्याचार अधिनियम, वित्तीय धोखाधड़ी, साइबर अपराध और राजनीतिक या सामाजिक प्रतिद्वंद्विता वाले मामले, आदि में गिरफ्तारी, जांच और जमानत के नियम अलग-अलग हो सकते हैं।

महादेव को समर्पित गोला मठ मंदिर, एक ही रात में भगवान विश्वकर्मा ने किया था निर्माण

मध्य प्रदेश के मैहर जिले में स्थित गोला मठ मंदिर महादेव को समर्पित एक प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर अपनी अनोखी वास्तुकला के अलावा एक मंदिर एक पौराणिक मान्यता भी है। इस कारण से यह मंदिर भक्तों के बीच विशेष महत्व रखता है। वहीं सावन के महीने में और महाशिवरात्रि के मोके भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। वहीं

सावन में दूर-दूर से श्रद्धालू भगवान शिव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर आते हैं। तो आइए जानते हैं इस मंदिर की अनोखी खासियत के बारे में...

जानें भगवान विश्वकर्मा से जुड़ी मान्यता

गोला मठ मंदिर के निर्माण को लेकर स्थानीय मान्यता है कि देवताओं के शिल्पकार भगवान

विश्वकर्मा ने इस मंदिर का निर्माण सिर्फ एक रात में किया था। शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा ने अपनी दिव्य शिल्पकला से रातों-रात मंदिर को तैयार कर दिया था।

अनूठी है वास्तुकला

गोला मठ मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यहां के पथरों पर मिलने वाली संरचनाएं हैं। मंदिर के पथरों को बेहद खूबसूरती के साथ तराशा गया है। मंदिर की बनावट को देखकर किसी को भी इस बात पर विश्वास नहीं होगा कि इसको एक रात में बनाया गया है।



स्थानीय मान्यताओं में यह कहा जाता है कि मंदिर के निर्माण में पथरों को ऐसे जोड़ा गया है कि यह मंदिर दिखने में असाधारण लगता है।

सावन में होती है भीड़
महादेव को समर्पित होने की वजह से सावन का महीना गोला मठ मंदिर के लिए खास महत्व रखता है। सावन के हर सोमवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालू मंदिर पहुंचते हैं। भक्त कतारों में लगकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन करते हैं और शिवलिंग पर जल

चढ़ाकर जलाभिषेक करते हैं। प्राचीन है गोला मठ का शिवलिंग
इस मंदिर के गर्भगृह में जो शिवलिंग है, वह काफी ज्यादा प्राचीन है। इसका जिक्र कहीं भी नहीं मिलता है कि यह शिवलिंग कैसे अवतरित हुआ। वहीं गर्भगृह के बाहर निकलते ही ठीक प्रवेश द्वार पर पथर के नंदी विराजमान हैं, उनकी भी मूर्ति काफी प्राचीन दिखती है। ऐसे में अगर आप भी मैहर में रहते हैं या उसके आस पास के निवासी हैं, तो आपको यहां एक बार दर्शन के लिए जरूर आना चाहिए।

सार – संक्षेप

राज्य के खजाने को लूटने का मौका तलाश रहे- मुख्यमंत्री भगवंत मान

बटिंडा। पंजाब के मुख्यमंत्री मान ने रविवार को विपक्षी नेताओं पर उन्हें बदनाम करने की कोशिश करने और ‘‘वर्षों तक अपना खजाना भरने के बाद एक बार फिर पंजाब को लूटने’’ का मौका तलाशने का आरोप लगाया। बटिंडा के घुड्डा गांव में ‘‘लोक मिलनी’’ कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि विपक्ष इस बात से परेशान है कि उनकी सरकार लोगों के कल्याण पर पैसा खर्च कर रही है। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल पर निशाना साधते हुए मान ने कहा कि दोनों पूर्व सहयोगी एक बार फिर गठबंधन की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ नेता ‘‘मोदी कोटे’’ से हैं और कुछ ‘‘राहुल गांधी कोटे’’ से, जबकि वह अकेले जनता के कोटे से हैं।

केरल में कमजोर मानसून और बारिश न होने से तापमान सामान्य से काफी ऊपर पहुंचा

तिरुवनंतपुरम। दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर बने रहने और बारिश नहीं होने के कारण केरलम के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है। इससे राज्य में बिजली की खपत बढ़ गई है और अधिकारियों ने शाम के समय बिजली की मांग चरम पर रहने के दौरान आंशिक बिजली कटौती की आशंका जताई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के नवीनराम आंकड़ों के अनुसार, कोट्टायम में रविवार को अधिकतम तापमान ३५ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से ४.४ डिग्री अधिक है।

राज्य के मौसम केंद्रों में सामान्य तापमान से यह सबसे अधिक अंतर था। रविवार शाम जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोल्लम जिले के पुनालुर में तापमान सामान्य से ३.७ डिग्री अधिक ३५.२ डिग्री सेल्सियस औरवेल्लनीक्करा तथा पक्कड़ में ३.४३ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः ४.१ और ३.९ डिग्री अधिक है।

एक बार फिर भारत में तेल का निर्यात करने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश बना सऊदी अरब, रचा इतिहास



मिडिल ईस्ट जल रहा है। रूस यूक्रेन युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है और इन सबके बीच भारत की धड़कनें तेज हैं। क्योंकि हम अपनी जरूरत का ८९% तेल विदेशों से मंगाते हैं। अगर कल सप्लाई रुक गई तो भारत थम जाएगा। आपने अक्सर सुना होगा कि राजस्थान की रेतीली जमीन पर जीवन जीना कितना कठिन है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि यहीं तपता हुआ थार रेगिस्तान आने वाले समय में भारत की एनर्जी सिक्योरिटी यानी ऊर्जा सुरक्षा का सबसे बड़ा किला बनने जा रहा है। एक ऐसी जगह जहां पानी मिलना मुश्किल था। वहां अब काला सोना यानी वरुद्ध ऑयल उबल रहा है।

भारत को अपनी रफ्तार बनाए रखने के लिए हर दिन लगभग ५० लाख यानी ५ मिलियन बैरल कच्चे तेल की जरूरत होती है। लेकिन कड़वा सच यह है कि हम अभी अपनी जरूरत

का ८५% हिस्सा विदेशों से आयात करते हैं। चाहे वह मिडिल ईस्ट के देश हो या रूस के। हाल ही में हमने देखा कि स्टेट ऑफहॉर्मोज में तनाव की वजह से वैश्विक तेल सप्लाई कितनी बुरी तरह प्रभावित हुई है।

दुनिया का १/५ हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता

है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चैन को अनिश्चित बना दिया।

दुनिया का १/५ हिस्सा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। जब भी वहां कोई संकट आता है भारत की इकॉनमी पर दबाव बढ़ जाता है। रूस पर लगे प्रतिबंधों ने सप्लाई चैन को अनिश्चित बना दिया। ऐसे में सवाल यह उठ कि क्या भारत हमेशा दूसरों के भरोसे रहेगा? और इसी सवाल का जवाब छिपा है राजस्थान के रेतीली धोरों में।

दरअसल राजस्थान के बाड़मेर बेसिन में साल २००४ में तेल के बड़े भंडार मिले थे। इन्हें नाम दिया गया मंगला भाग्यम और ऐश्वर्या यानी कि एमबीए। यह सिर्फ नाम नहीं है। यह भारत की उम्मीदें हैं। यहां करीब १ बिलियन बैरल तेल का भंडार है। आपको जानकर हैरानी होगी कि अकेले मंगला फ़ील्ड से अब तक ५०० मिलियन बैरल तेल निकाला जा चुका है।

नेपाल के रासुवा जिले में भोटेकोशी नदी की बाढ़ के बाद २०३ लोग लापता ७ हजार की आबादी मदद के इंतजार में

नेपाल । रासुवा जिले में भोटेकोशी नदी की विनाशकारी बाढ़ के बाद तबाही का मंजर अभी भी कायम है. द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, आमाछोदिंगमो ग्रामीण नगरपालिका में अब भी कम से कम २०३ लोगों के लापता होने की खबर है, जिनमें जलविद्युत परियोजनाओं में काम करने वाले कई स्थानीय लोग भी शामिल हैं. इलाके में अपर त्रिशूली-१, चलिमे और लांगटांग जैसी परियोजनाएं भी बाढ़ की चपेट में आई हैं. सबसे बड़ी चिंता यह है कि ७ हजार से ज्यादा आबादी वाले इस इलाके तक राहत पहुंचाना बेहद मुश्किल हो गया है. बाढ़ की तेज धार में रासुवा को नेपाल के दूसरे हिस्सों से जोड़ने वाला मुख्य हाईवे बह चुका है, जिससे गांवों का संपर्क टूट गया है और राहत-बचाव अभियान के सामने बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है.

दूरदराज के गांवों को भुला दिया गया स्थानीय प्रतिनिधियों ने राहत व्यवस्था को लेकर चिंता जताई है. बुदुंग तामांग का आरोप



है कि सरकार का ध्यान उन इलाकों पर ज्यादा है, जहां राहत दलों और मीडिया के लिए पहुंचना आसान है. उनका कहना है कि दूरदराज के गांवों में फंसे लोग भोजन और जरूरी सामान के अभाव में मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं.

संपर्क बहाल करने के लिए ‘तुइन’ का सहारा स्थानीय प्रशासन दूरदराज के गांवों से संपर्क जोड़ने के लिए अस्थायी ‘तुइन’ का सहारा ले रहा है. यह कठिन परिस्थिति में जीवन रेखा

का काम कर रहा है. अधिकारियों के मुताबिक, सर्पेशन ब्रिज या बेली ब्रिज बनाने में काफी समय लग सकता है. ऐसे में फिचहाल तुइन के जरिए नदी पार करने का रास्ता तैयार करने पर जोर है. हालांकि, इसके लिए नदी के सुरक्षित हिस्से का चयन करना और वहां तक पहुंचने का रास्ता बनाना भी बड़ी चुनौती है.

भोटेकोशी की बाढ़ ने रासुवा में सिर्फ सड़कें और पुल ही नहीं बहाए, बल्कि हजारों लोगों की जिंदगी का सहारा भी छीन लिया है. कई गांव आज भी दूसरे इलाकों से कटे हुए हैं. ऐसे में प्रभावित लोगों की निगाहें अब आसमान पर टिकी हैं. उन्हें इंतजार है कि कब राहत लेकर हेलिकॉप्टर पहुंचेगा, कब उन्हें भोजन, दवाइयां और जरूरी सामान मिलेगा, और कब उनकी सुरक्षित निकासी होगी. यह इंतजार जितना लंबा होता जा रहा है, उतनी ही उनकी हताशा भी बढ़ती जा रही है.

जापान के राजदूत ने गंगा में लगाई डुबकी उनकी पोस्ट से सम्मानित भारतीय परंपरा में उनकी भागीदारी की झलक मिली

भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने हाल ही में ऋषिकेश में अपने आध्यात्मिक अनुभव की झलकियां साझा कीं, जहां उन्होंने जन्माष्टमी के सप्ताहांत के दौरान गंगा में पवित्र डुबकी लगाई। नदी के किनारे से तस्वीरें और एक वीडियो साझा करते हुए, जापानी राजनयिक ने इस अनुभव को "विरम्य, विनम्रता और कृतज्ञता" से भरा बताया। एम्बेसडर की पोस्ट में उन्हें गंगा में तीन बार डुबकी लगाते हुए दिखाया गया, जिसमें वे नदी में लगी एक चैन को पकड़े हुए थे।

जापान के एम्बेसडर ने गंगा में तीन बार डुबकी लगाई ओनो केइची ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, आखिरकार, ऋषिकेश में गंगा में पूरी डुबकी—तीन बार! उन्होंने कहा कि इस अनुभव के दौरान वे सदियों पुरानी आस्था और परंपराओं को मानने वाले लोगों के बीच थे। एम्बेसडर के अनुसार, इस पल का हिस्सा बनने से उन्हें एक "गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव" महसूस हुआ, साथ ही



विस्मय, विनम्रता और कृतज्ञता का भाव भी जागा। पोस्ट के साथ शेयर की गई तस्वीरों में एम्बेसडर को एक चैन के सहारे नदी में खड़े देखा जा सकता है। एक छोटे से वीडियो में उन्हें गंगा में डुबकी लगाते हुए भी दिखाया गया है। एक और तस्वीर में, उन्हें नदी में बैठे और कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है। जापानी राजनयिक ने इस अनुभव को "सचमुच अविस्मरणीय" बताया और ऋषिकेश में होने तथा गंगा को करीब से महसूस करने के आध्यात्मिक महत्व का जिक्र किया।

एम्बेसडर की गंगा में डुबकी पर सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रिया—इस पोस्ट पर जल्द ही सोशल मीडिया यूजर्स की प्रतिक्रियाएं आने लगीं और कई लोगों ने इस परंपरा में एम्बेसडर की भागीदारी की सराहना की। एक यूजर, वीरज कपूरिया ने कमेंट किया, "सावधान रहिएगा, एम्बेसडर सर। एक बार जब आपको गंगा जी और ऋषिकेश से घायर हो जाएगा, तो आप कभी भी यहां से जा नहीं पाएंगे।

दिल्ली के सत्य निकेतन में ३० साल पुरानी पांच मंजिला इमारत गिर गई जिसमें पांच लोगों की जान चली गई

नयी दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय

(डीयू) के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन की एक संकरी गली में लड़कों के पेड़ंग गेस्ट (पीजी) के रूप में इस्तेमाल हो रही करीब ३० साल पुरानी पांच मंजिला इमारत रविवार अपराह्न ढह गई। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई जबकि मलबे में फंसे करीब १५-२० और लोगों को निकालने के लिए रात तक कई

एजेंसियों का बचाव अभियान जारी रहा। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक बयान में कहा कि अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में दस घायल लोगों को लाया गया। एम्स ने बताया, ‘‘चार लोगों को मृत अवस्था में लाया गया जबकि गंभीर हालत में लाए गए एक मरीज ने बाद में दम तोड़ दिया।



तीन मरीज भर्ती हैं और उनका इलाज हो रहा है।

एक मरीज की सर्जरी हुई है और एक अन्य मरीज को मामूली चोट आई थी, उसे निगरानी के बाद छुड़ी दे दी गई।’’ पुलिस ने साउथ कैंपस थाने में इमारत के मालिक हरिराम और अन्य लोगों के खिलाफगैर-इरादतन हत्या, इमारत के रखरखाव में लापरवाही और अन्य

लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के

आरोप में मामला दर्ज किया। पुलिस ने बताया, ‘‘यह इमारत पेड़ंग गेस्ट (पीजी) के रूप में इस्तेमाल हो रही थी। आरोप है कि भूतल पर मरम्मत का काम हो रहा था जिसके कारण इमारत ढह गई। आरोपित लोगों की तलाश के लिए कई टीम गठित की गई हैं।’’ जब बचाव दल मलबे की हटाकर राहत एवं बचाव कार्य में जुटे थे तो स्थानीय लोग और प्रत्यक्षदर्शी भी इस मुश्किल प्रयास में उनके साथ शामिल हो गए। उन्होंने अपने हाथों और उपलब्ध औजारों की मदद से मलबे में दबे लोगों की तलाश शुरू की। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की दो टीम (जिसमें ७० कर्मी हैं) और एक धान दस्ता मलबे में जीवित बचे लोगों की तलाश में शामिल रहे।

मरियम नवाज ने कहा कि उनके पंजाब को पड़ोसी देशों से उतना खतरा नहीं है जितना पाकिस्तान के ही दूसरे प्रांतों से है

लाहौर। दशकों से पाकिस्तान की विदेश नीति और उसकी सेना का एक ही रटा रटया जुमला था। वो यह था कि पाकिस्तान में जो भी पूरा होता है उसके पीछे विदेशी ताकतों का हाथ है। कभी भारत पर उंगली उठाई गई तो कभी अफ़ग़ानिस्तान को जिम्मेदार ठहराया गया। लेकिन अब पाकिस्तान के सबसे ताकतवर राजनीतिक घराने की वारिस और पाकिस्तान के पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने एक ऐसा बम फेंका है जिसने पाकिस्तान के पूरे नैरेटिव को तहस-नहस कर दिया।

लाहौर के मन से मरियम नवाज ने कहा कि उनके पंजाब को पड़ोसी देशों से उतना खतरा नहीं है जितना पाकिस्तान के ही दूसरे प्रांतों से है। यह सिर्फ एक बयान नहीं यह एक देश के रूप में पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा की विपन्नता का सबसे बड़ा आधिकारिक कबुलनामा है।

मरियम नवाज को अपने ही मुल्क के भाइयों से इतना डर क्यों लग रहा है?

दरअसल लाहौर में एआई और टेक्नोलॉजी पर



आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने सुरक्षा के मुद्दे पर बात करते हुए कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि आज पंजाब को जो खतरा है वह मेरे पड़ोसी देशों से कम और मेरे पड़ोसी प्रांतों से ज्यादा है। आगे उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे आतंकवाद पड़ोसी सुबों की सीमाओं से पंजाब में दाखिल हो रहा है। गौर कीजिए मरियम नवाज ने यहां किसी तीसरी ताकत का नाम नहीं लिया। उन्होंने साफ-साफ पाकिस्तान

के ही अन्य सुबहों यानी कि खैबर पख्तून और बलूचिस्तान की ओर इशारा किया। यह पहली बार है जब पाकिस्तान के किसी शीर्ष नेता ने सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया कि आतंकवाद की नर्सरी पाकिस्तान के भीतर है ना कि सरहद के उस पार। इस बयान की गंभीरता को समझने के लिए थोड़ा पीछे चलते हैं। जब भी बलूचिस्तान में धमाका होता है या कराची में हमला होता है तो पाकिस्तान की सेना का आईएसपीआर विभाग तुरंत एक प्रेस रिलीज जारी करता है जिसमें भारत की जासूसी एजेंसी रॉ का नाम लिया जाता है। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी यही झूठ बोला कि भारत उनके देश में अस्थिरता फैला रहा है। लेकिन अब पाकिस्तान मुंह दिखाने लायक नहीं रहा क्योंकि मरियम नवाज ने एक ही झटके में इस पूरी कहानी को पलट दिया। उन्होंने पाकिस्तानी सेना के नैरेटिव को पलट दिया। उन्होंने स्वीकार किया कि समस्या घर के अंदर है।

लोप नूर में बन रहे खतरनाक मिलिट्री टेस्ट बेस का किया खुलासा

चीन सिर्फ जमीन और समुद्र में ही अपनी सैन्य ताकत नहीं बढ़ा रहा, बल्कि वह आसमान पर अगली पीढ़ी का वर्चस्व स्थापित करने की तैयारी में भी पूरी ताकत झाँक चुका है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शिनजियांग के दुर्गम और वीरान रेगिस्तान में स्थित लोप नूर (Lop Nur) को तेजी से विस्तार देकर बीजिंग एक ऐसा विशाल पलाइल-टेस्ट कॉम्प्लेक्स तैयार कर रहा है, जो आने वाले वर्षों में चीन के छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों और संभावित स्टीलथी बैम्बर कार्यक्रमों का केंद्र बन सकता है। देखा जाये तो यह अमेरिका को सीधी रणनीतिक चुनौती देने वाली चीन की एयर-पावर महत्वाकांक्षा का नया अध्याय है।

सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर सामने आई रिपोर्टों के मुताबिक, लोप नूर स्थित इस सुविधा में चार विशाल हैंगर, नई टेक्सीवे, एक गोलाकार पेड़ और संभावित ईंधन भंडारण ढांचा तैयार किया जा रहा है। माना जा रहा है कि गोलाकार संरचना का इस्तेमाल इंजन परीक्षण या विमानों को घुमाने और संचालन संबंधी गतिविधियों के लिए किया जा सकता है। निर्माण की गति और पैमाना साफसंकेत देते हैं कि चीन यहां सामान्य परीक्षण सुविधा नहीं, बल्कि एक बहुस्तरीय और अत्यधिक गोपनीय एयरोस्पेस टेस्ट हब विकसित कर रहा है।

रिटायर्ड अमेरिकी नौसेना खुफ़िया अधिकारी और एयरोस्पेस मामलों के विशेषज्ञ जे. माइकल डाहम ने इस संबंध में मीडिया से बातचीत में कहा है कि इस बड़े विस्तार की शुरुआत लगभग अगस्त २०२५ में हुई। यही वह समय था जब चीन के कथित छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान J-३६ को पहली बार इस इलाके में देखा गया। इसके महज १७ दिन बाद एक अन्य अगली पीढ़ी के विमान जिसे J-XDYS या J-५० कहा जा रहा है, उसके भी इसी परिसर में देखे जाने की जानकारी सामने आई।

यह घटनाक्रम बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि इसका मतलब है कि चीन संभवतः एक साथ कई अत्याधुनिक लड़ाकू विमान कार्यक्रमों पर काम कर रहा है। अगर ऐसा है तो लोप नूर का विस्तार चीन को एक ही समय में कई संवेदनशील विमानों के उड़ान परीक्षण, तकनीकी मूल्यांकन और विकास का अवसर देगा। दूसरे शब्दों में कहें तो बीजिंग अब अपनी अगली पीढ़ी की एयर-पावर परियोजनाओं को क्रमवार नहीं, बल्कि समानांतर गति से आगे बढ़ाने की क्षमता तैयार कर रहा है।

फरवरी तक इस परिसर में लगभग ६०,००० वर्ग फुट अतिरिक्त हैंगर स्पेस और ३ लाख वर्ग फुट से अधिक अन्य बुनियादी ढांचा जुड़ चुका था। रिपोर्टों के अनुसार, नई सुविधाओं में परीक्षण और मूल्यांकन क्षेत्र के साथ-साथ कर्मचारियों के रहने की व्यवस्था भी शामिल हो सकती है।



बल्कि एक बहुस्तरीय और अत्यधिक गोपनीय एयरोस्पेस टेस्ट हब विकसित कर रहा है। रिटायर्ड अमेरिकी नौसेना खुफ़िया अधिकारी और एयरोस्पेस मामलों के विशेषज्ञ जे. माइकल डाहम ने इस संबंध में मीडिया से बातचीत में कहा है कि इस बड़े विस्तार की शुरुआत लगभग अगस्त २०२५ में हुई। यही वह समय था जब चीन के कथित छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान J-३६ को पहली बार इस इलाके में देखा गया। इसके महज

प्राकृतिक आरोग्य रस



हमारे यहां ज़वादा, आंवला, लोकी, करेली, बीट (वुकन्दर), नीम का ताज़ा रस मिलता है।

अंकुरित अनाज़, अलसी और सभी प्रकार के अचार मिलते हैं।

स्थान-

- नेहरू नगर, गुरुद्वारा रोड, भेलवा पार्क के पास, संपर्क- ८९६२६६८१४१
- सेक्टर-१ अंबेडकर पार्क के सामने, संपर्क- ८३४९६८८८६५

पंजाबी संस्कृति ७ परंपराएँ, भोजन, नृत्य, कला रूप और बहुत कुछ

अद्वितीय, रंगीन और असाधारण, ये भारत के हृदय स्थल पंजाब की विशेषताएँ हैं। दुनिया भर में लोकप्रिय और प्रतिष्ठित, पंजाब की संस्कृति वास्तव में अभिभूत करने वाली है। स्वादिष्ट पंजाबी भोजन आपके स्वाद को पहले कभी नहीं भूलने वाला आनंद देता है। रंग-बिरंगे फैंसी कपड़े और भांगड़ा आपको किसी और चीज से ज्यादा आकर्षित करते हैं। जब आप पंजाब जाते हैं, तो आप मेहमाननवाजी और दिल को छू लेने वाले माहौल का अनुभव कर सकते हैं।

पंजाबियों को बहुत मददगार, स्वागत करने वाले और गर्वित लोगों के रूप में जाना जाता है। वे सभी का खुले दिल से स्वागत करते हैं (और निश्चित रूप से एक गिलास लस्सी और विशिष्ट पंजाबी भोजन)। वे अपने त्योहारों को बहुत जोश और उत्साह के साथ, बढ़िया भोजन, संगीत, नृत्य और मौज-मस्ती के साथ मनाते हैं। पंजाब की खूबसूरती जितनी जादुई है, उतनी ही जादुई भी है पंजाबी मुख्य रूप से दो समुदायों में विभाजित है: खत्री और जाट। वे लंबे समय से कृषि कार्य से जुड़े हुए हैं। लेकिन अब राज्य में व्यापार और वाणिज्य भी खुल गया है. एक बड़ी आबादी अभी भी संयुक्त परिवार प्रणाली का पालन करती है जो अब अद्वितीय हो गई है। एकजुटता की भावना को यहां आसानी से महसूस किया जा सकता है



क्योंकि वे दुख और खुशी के क्षणों में एक-दूसरे के साथ रहने का वादा करते हैं।

पंजाबी अपनी परंपराओं और रिश्तों को लेकर बहुत खास होते हैं

पंजाबी संस्कृति में भोजन

भारतीयों और बाहर के अन्य समुदायों के पसंदीदा व्यंजनों में से एक, पंजाबी भोजन स्वाद और मसालों से भरपूर है। चपातियों पर घी की अधिक मात्रा होने के कारण यहां का भोजन मजबूत दिल

वालों के लिए माना जाता है। लस्सी यहां का ताजा पेय है और इसे स्वागत पेय के रूप में भी जाना जाता है। यह दूध की बहुत भारी खुराक है, खासकर उन लोगों के लिए जो उत्तरी भारत से नहीं हैं। मक्के की रोटी (मक्के की रोटी) और सरसों दा साग (सरसों के पत्तों की करी) पंजाब का एक और पारंपरिक व्यंजन है। छोले भटूरे, राजमा चावल और पनीर नान जैसे कई अन्य व्यंजन हैं, लेकिन सबसे ज्यादा पसंदीदा तंदूरी चिकन है

पंजाबी संस्कृति में कपड़े

पंजाब की पारंपरिक पोशाकें बहुत रंगीन, अनेखी और जीवंत हैं। महिलाएं सलवार कमीज पहनती हैं (सलवार नीचे का पहनावा है और कमीज ऊपर का)। इन कपड़ों को जटिल रूप से डिज़ाइन किया गया है और घरों में कई रंगों में खूबसूरती से कढ़ाई की गई है। पुरुष बड़े गर्व के साथ पगड़ी पहनते हैं। प्रारंभ में हिंदू और मुस्लिम भी पगड़ी पहनते थे, लेकिन अब सिखों को केवल पगड़ी पहने ही देखा जा सकता है।

कुर्ता ऊपरी शरीर पर पहना जाता है, और तहमत जो बैगी और गुब्बारा-पजामा है, निचले हिस्से में पहना जाता है। पसंदीदा जुते जुती हैं जो कई वर्षों से पुरुषों और महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले पारंपरिक जुते हैं। पंजाब और देश के बाकी हिस्सों में कई लोक संगीत और नृत्य बेहद लोकप्रिय हैं। उनमें से एक है भांगड़ा जो पश्चिम में भी बेहद लोकप्रिय हो गया है।

न धूप है न हवा फिर भी जिंदा हैं १७०० वायरस

दक्षिण चीन सागर की गहराइयों में, वैज्ञानिकों ने ज़ेगन होल नाम का एक बहुत बड़ा झपानी के अंदर का सिंकहोल खोजा है। जब चीनी समुद्री वैज्ञानिकों ने इसकी जांच की, तो उन्हें



एक बिल्कुद अलग दुनिया मिली। यह सिंकहोल लगभग १,००० फीट गहरा है, और इसकी गहराइयों तक न तो सूरज की रोशनी पहुँचती है और न ही ऑक्सीजन। ऐसी जगह पर आम समुद्री जीवों का जिंदा रहना नामुमकिन है। वैज्ञानिकों को उम्मीद थी कि सिंकहोल खाली होगा, लेकिन उन्हें बहुत सारे माइक्रोऑर्गेनिज्म मिले। सबसे हैरानी की बात यह है कि उन्हें वहाँ १,७०० से ज्यादा तरह के वायरस मिले।

इस खोज में क्या खास है? इनमें से कई वायरस विज्ञान के लिए बिल्कुल अनजान हैं और किसी भी मौजूदा रिकॉर्ड या डेटाबेस में मौजूद नहीं हैं। यह खोज हमें यह समझने में मदद कर रही है कि पृथ्वी पर सबसे मुश्किल माहौल में भी जीवन कैसे पनप सकता है। ये अनजान वायरस वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद कर सकते हैं कि ग्रह के सिंगे हुए हिस्सों में इकोसिस्टम कैसे काम करते हैं। दक्षिण चीन सागर में ड्रेगन होल नाम का एक बहुत गहरा पानी के अंदर का सिंकहोल है। इसका आधिकारिक वैज्ञानिक नाम सापशा योंग्ले ब्लू होल है। लाखों साल पहले, ये चूना पत्थर की चट्टानों में बनी सूखी गुफाएँ थीं। बाद में, जब समुद्र का स्तर बढ़ा, तो वे पूरी तरह से पानी में डूब गईं। इसकी दीवारें बहुत खड़ी और सीधी हैं, जैसे किसी ने समुद्र तल में एक गहरा छेद कर दिया हो।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 59 RNI/CHHBIL/44259 छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4050844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9185157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhilai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़- सात सिंचाई योजनाओं के लिए 30.74 करोड़ रूपए स्वीकृत

किसानों को मिलेगी बेहतर सिंचाई सुविधा बलौदाबाजार-भाटापारा और रायपुर जिले के हजारों हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को मिलेगा फायदा रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के जल संसाधन विभाग ने राज्य में सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सात प्रमुख सिंचाई योजनाओं के लिए कुल 30 करोड़ 74 लाख 39 हजार रूपए की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि का उपयोग नहरों के जीर्णोद्धार, रिमोंडलिंग, सीसी लाइनिंग और भूमिगत पाइपलाइन निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए किया जाएगा।

जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिलेवार स्वीकृत कार्यों में बलौदाबाजार-भाटापारा जिला के बलौदा शाखा नहर (वितरक 11 एवं 12) में रिमोंडलिंग, सीसी लाइनिंग एवं पक्के निर्माण कार्यों के लिए 4.99 करोड़ रूपए स्वीकृत किए गए हैं, इससे 339.05 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सुनिश्चित होगी। इसी प्रकार सौंदूर परियोजना (बेन्दी वितरक नहर) के भाटापारा शाखा नहर के बेन्दी वितरक नहर की रिमोंडलिंग व सीसी लाइनिंग के लिए 4.82 करोड़ मंजूर। इससे 355 हेक्टेयर क्षेत्र को पानी मिलेगा।

सीएम हेल्पलाइन 1076 का असर-मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन मॉडल की मिसाल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और जवाबदेह प्रशासन को नई मजबूती मिल रही है। इसका प्रभावी उदाहरण मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से देखने को मिला, जहां महासमुंद जिले के बसना विकासखंड के ग्राम केंवटापाली निवासी खिरोद कुमार साव की ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) सब्सिडी से जुड़ी लंबित समस्या का त्वरित समाधान किया गया।

श्री साव ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के बाद सब्सिडी राशि प्राप्त नहीं होने की शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही परिवहन विभाग ने मामले पर तत्परता से कार्रवाई की और प्रक्रिया पूरी कर उन्हें लंबित सब्सिडी राशि उपलब्ध करा दी।

सब्सिडी राशि मिलने के बाद श्री खिरोद कुमार साव ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और परिवहन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 ने उनकी समस्या का समयबद्ध समाधान कर शासन के प्रति उनका विश्वास और मजबूत किया है।

राज्यपाल श्री डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की दिलाई शपथ



राज्यपाल रमेन डेका ने न्यायाधिपति कृष्ण राम महापात्र (Krushna Ram Mohapatra) को आज लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपम् में उच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। इसके पूर्व श्री कृष्ण राम महापात्र उड़ीसा हाईकोर्ट के वरिष्ठ जज के पद पर कार्यरत थे। राज्यपाल श्री डेका ने मुख्य न्यायाधीश कृष्ण राम महापात्र को राष्ट्रपति द्वारा जारी मूल वारंट की प्रति सौंपी। राज्यपाल ने मुख्य न्यायाधीश महापात्र को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप

मुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री तोखन साहू, पूर्व मुख्यमंत्री धूपेश बेबल, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, राज्य सभा सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, अनुज शर्मा एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

समारोह में मुख्य न्यायाधीश महापात्र की धर्मपत्नी अनिता महापात्र सहित छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण उपस्थित थे। शपथ ग्रहण समारोह का संचालन प्रदेश के मुख्य सचिव विकास शील द्वारा किया



गया तथा उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा जारी वारंट का वाचन किया। इस अवसर पर अगर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव गृह विभाग निहारिका बारिक, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, महाधिवक्ता विवेक शर्मा, उच्च न्यायालय बिलासपुर के रजिस्ट्रार जनरल रजनीश श्रीवास्तव सहित राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं हाईकोर्ट के अधिवक्तागण उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि श्री महापात्र छत्तीसगढ़ के 16 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivery With in 3 K.M. 9788-4011912
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at **Chopati Civic Centre Bhilai**
Near Chandulal Chandrakar Hospital, Nehru Nagar Chowk, Bhilai (C.G.)
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912

युवा उड़ान 2026 : जुटेंगे जिले के हजारों युवा

-युवाओं से संवाद, प्रश्नोत्तर और विकसित छत्तीसगढ़ से विकसित भारत के निर्माण पर होगी परिचर्चा

-तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा ने किया स्थलों का निरीक्षण

-ऑक्शन हॉल, मंडी परिसर, इंडोर स्टेडियम एवं पाण्डुका स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का किया अवलोकन

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ राज्य गठन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के युवाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत विजन एट 2047 से जोड़ने तथा 'विकसित छत्तीसगढ़' के संकल्प को साकार करने में युवाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 'युवा उड़ान 2026' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 23 सितंबर 2026 को गरियाबंद जिले में प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को

लेकर कलेक्टर रणबीर शर्मा ने जिला मुख्यालय के विभिन्न संभावित स्थलों का निरीक्षण किया। साथ ही पाण्डुका स्थित पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय का भी अवलोकन किया।

कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लगभग एक हजार युवाओं की सहभागिता को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त क्षमता वाले सभागार अथवा ऑडिटोरियम का चिन्हांकन किया जाए। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री शर्मा ने गरियाबंद मुख्यालय स्थित ऑक्शन हॉल, मंडी परिसर एवं इंडोर स्टेडियम का अवलोकन कर कार्यक्रम के लिए स्थल की उपयुक्तता एवं उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया।

पत्रकारिता में सत्य, तथ्य और जनहित सर्वोच्च प्राथमिकता हो - राज्यपाल श्री डेका

- राज्यपाल ने कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में कन्या छात्रावास, मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का किया शुभारंभ रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने आज कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में सावित्रीबाई फुले कन्या छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र का उद्घाटन भी किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज का दिन विश्वविद्यालय के लिए विशेष महत्व रखता है। सावित्रीबाई फुले ने महिला शिक्षा के प्रसार और नारी सशक्तिकरण के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके नाम पर कन्या छात्रावास का नामकरण छात्राओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा

लेने का अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली छात्राओं को सुरक्षित एवं अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनकी उच्च शिक्षा और प्रतिभा विकास में सहायक होगा। राज्यपाल ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के आगमन से मीडिया और पत्रकारिता के स्वरूप में तेजी से परिवर्तन हो रहा है। ऐसे समय में विश्वविद्यालय में स्थापित मेधा एआई एवं मीडिया शोध केंद्र विद्यार्थियों को नई तकनीकों को समझने तथा उनके ज़िम्मेदार और प्रभावी उपयोग के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। श्री डेका ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार है और इसकी विश्वसनीयता बनाए रखना प्रत्येक पत्रकार का दायित्व है। समाचारों में तथ्य, सत्य और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। किसी भी व्यक्ति के संबंध में समाचार प्रकाशित

नगरिकों से भी जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ जीने की अपील की। उन्होंने कहा कि जीवन में जो कुछ मिला है, उसके प्रति संतोष और कृतज्ञता का भाव रखना चाहिए तथा वर्तमान में रहकर जीवन का आनंद लेना चाहिए। उन्होंने देशभक्ति और संस्कारों के महत्व पर जोर दिया। बच्चों में देशभक्ति की भावना विकसित होने से देश को जागरूक और राष्ट्रभक्त नागरिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में परिवार और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस अवसर पर आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में एसईसीएल और डीएवी के बीच शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित सहयोग और साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया। 'द्रोणाचार्य संगम-2026' शिक्षकों के सम्मान, उनके अनुभवों के आदान-प्रदान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। कार्यक्रम में संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसईसीएल के डायरेक्टर बिरंजी दास, हिमांशु जैन, एसईसीएल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, डीएवी प्रबंधन, विभिन्न प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे।



'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षकों को किया सम्मानित रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका शिक्षक दिवस पर एसईसीएल-डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार, बिलासपुर में आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान का सम्मान किया गया तथा शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले शिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल डेका ने कहा कि समय का सही उपयोग जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज का दौर इंटरनेट और तकनीक का दौर है तथा बच्चे तेजी से एक ऐसी दुनिया में बड़े हो रहे हैं, जहां ज्ञान और सूचनाएं आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में बच्चों और युवाओं को समय का सदुपयोग करते हुए सही दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि पुराने समय में गुरुकुल परंपरा के माध्यम से गुरु विद्यार्थियों को शिक्षा और संस्कार प्रदान करते थे। समय के साथ शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं और आज आधुनिक शिक्षा के साथ संस्कार एवं मूल्यों का समावेश भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि परिश्रम करने वालों को निश्चित रूप से सफलता मिलती है। जीवन में निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए और चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए।



नागरिक मिलेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में परिवार और शिक्षकों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य नहीं करते, बल्कि समाज को शिक्षित और जागरूक बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

इस अवसर पर आयोजित 'द्रोणाचार्य संगम-2026' में शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया गया। राज्यपाल ने विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित शिक्षकों के समर्पण और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में एसईसीएल और डीएवी के बीच शिक्षा के क्षेत्र में स्थापित सहयोग और साझेदारी को भी महत्वपूर्ण बताया गया। 'द्रोणाचार्य संगम-2026' शिक्षकों के सम्मान, उनके अनुभवों के आदान-प्रदान और शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

कार्यक्रम में संभागायुक्त सुनील जैन, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसईसीएल के डायरेक्टर बिरंजी दास, हिमांशु जैन, एसईसीएल के अन्य अधिकारी-कर्मचारी, डीएवी प्रबंधन, विभिन्न प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रतिनिधि, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं नागरिक उपस्थित थे।